सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग–4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

लखनऊ, मंगलवार, 29 मार्च, 2005

चैत्र 8, 1927 शक सम्वत

उत्तर प्रदेश शासन

पशुधन अनुभाग - 2

संख्या: 1058-सैंतीस-2-2005-3 (11)/2004

लखनऊ, 29 मार्च, 2005

अधिसूचना

प0 आ0 –226

उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान अधिनियम, 2001 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 27 सन् 2001) की धारा 38 की उपधारा (1) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके, राज्यपाल निम्नलिखित उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा प्रथम परिनियमावली बनाते हैं–

उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा प्रथम नियमावली 2005

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

1) यह परिनियमावली उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा 2005 कही जाएगी ।
2) यह इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से प्रभावी होगी।

अध्याय–1

परिभाषा

इस परिनियमावली में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :–
(एक) ''अधिनियम'' का तात्पर्य उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय

पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, अधिनियम, 2001 से है।

(दो) ''संघटक महाविद्यालय'' का तात्पर्य ऐसे महाविद्यालय या संस्था से है जो विश्वविद्यालय के नियंत्रण में हो और जो मुख्य परिसर या अन्यत्र स्थापित हो ।

(तीन) ''सम्बद्ध महाविद्यालय'' का तात्पर्य ऐसे महाविद्यालय या संस्था से है जो विश्वविद्यालय के नियंत्रण में हो और इस अधिनियम और परिनियमावली के उपबंध के अनुसार विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हो ।

(चार) इस परिनियमावली में अपरिभाषित और अधिनियम में अप्रयुक्त शब्दों और, पदों का वही अर्थ होगा जो अधिनियम में समनुदेशित हो ।

(पॉच) ''विहित'' का तात्पर्य परिनियमावली द्वारा विहित से हैं।

अध्याय –2

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी (अधिनियम की धारा 18)

(क) कार्य परिषद,

(ख) विद्या परिषद

(ग) वित्त समिति

(घ) परीक्षा समिति,

(ड.) ऐसे अन्य प्राधिकारी, जैसा कि परिनियमावली द्वारा घोषित किया जाय, विश्वविद्यालय के प्राधिकारी होंगे ।

कार्य परिषद

क– कार्य परिषद, अधिनियम की धारा 19 एवं 20 के उपबन्धों के अनुसार कार्य करेगी। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकारी या अधिकारी को अपनी शक्तियां प्रतिनिधानित कर सकती है। कार्य परिषद् में किसी भी विषय पर निर्णय बहुमत से लिया जायगा। कार्य परिषद् के अध्यक्ष को किसी भी प्रकरण पर मत देने का अधिकार तभी होगा, यदि कुल मत बराबर–बराबर विभाजित हो और उसका मत निर्णयकारी कारक हो।

विद्या परिषद्

ख– विद्या परिषद् का गठन किया जायगा और वह अधिनियम की धारा 21 के उपबंधो के अनुसार शक्तियों और कर्तव्यों का प्रयोग करेगी। विद्या परिषद् में नामनिर्दिष्ट सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। सम्बन्धित संकाय बोर्ड प्रत्येक संबंधित संकाय से एक प्रतिनिधि नामनिर्दिष्ट करेगा। *कुलपति द्वारा नाम निर्दिष्ट संकाय में कार्यरत चार आचार्यो को विद्या परिषद का सदस्य बनाया जायेगा।

* **संशोधन**: **कार्य परिषद् बैठक संख्या** 13 (18.12.2008), **प्रस्ताव संख्या** 02

वित्त समिति

ग–वित्त समिति का गठन किया जाएगा और वह अधिनियम की धारा 22 के उपबंधों के अनुसार शक्तियों और कर्तव्यो का प्रयोग करेगी।

परीक्षा समिति

ध– परीक्षा समिति अधिनियम की धारा 23 के उपबंध के अनुसार कार्य करेगी और तदनुसार धारा 23(1) के अधीन समिति के निम्नलिखित सदस्य होगें।

क– संकायाध्यक्ष/महाविद्यालय का प्राचार्य (अध्यक्ष)
(कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट)

ख– परीक्षा नियंत्रक (सचिव)

ग– कुल सचिव (सदस्य)
ध– कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट दो अध्यापक (सदस्य)

टिप्पणी– परीक्षा समिति के नामनिर्दिष्ट सदस्यों का कार्यकाल एक वर्ष अर्थात एक शैक्षणिक वर्ष होगा।

अन्य प्राधिकारी

ङ–ऐसे अन्य प्राधिकारी, जैसाकि परिनियमावली द्वारा घोषित किया जाए विश्वविद्यालय के प्राधिकारी होगें।

अधिनियम की धारा– 24 के अनुसार निम्नलिखित भी विश्वविद्यालय के प्राधिकारी होगें–

(एक) **संबंधित संकाय/महाविद्यालय का संकाय बोर्ड**:– संकाय बोर्ड संबंधित संकाय के समस्त शैक्षणिक मामलों में पर्यवेक्षण करेगा और परामर्श देगा और विद्या परिषद को उसके अनुमोदन के लिए अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेगा।

अध्याय–3

9–विश्वविद्यालय के अधिकारी (अधिनियम की धारा 9)

विश्वविद्यालय के अधिकारी

(1) अधिनियम की धारा 9 के अधीन उपबंध के अनुसार विश्वविद्यालय के निम्न अधिकारी होगें–

क– कुलाधिपति
ख– कुलपति
ग– प्रति कुलपति
घ–कुलसचिव
ङ–वित्त अधिकारी
च–परीक्षा नियंत्रक
छ–संकायाध्यक्ष
ज– विश्वविद्यालय की सेवा में कार्यरत ऐसे अन्य व्यक्ति जैसा कि परिनयमावली द्वारा घोषित किया जाए, विश्वविद्यालय के अधिकारी होगें।

समस्त अधिकारी (क–छ) नियुक्त किये जायेगे और वे अधिनियम की धारा 10–16 के अधीन उपबंध के अनुसार शक्तियों और कर्तव्यों का प्रयोग करेगें।

अधिनियम की धारा 9 (ज) के अधीन कुलपति, विद्या परिषद की सिफारिश और कार्य परिषद के अनुमोदन पर विश्वविद्यालय के किसी अधिकारी/अध्यापक को विश्वविद्यालय का अधिकारी घोषित कर सकता है। तद्नुसार (अधिनियम की धारा 9(ज) के अनुसार) विश्वविद्यालय के अन्य निम्नलिखित अधिकारी होगें:–

क– संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण
ख– निदेशक, अनुसंधान
ग– निदेशक, प्रसार
घ– विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष
ङ– निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवा नियोजन

नियुक्ति, शक्तियॉ एवं कर्तव्य

(2) 39(क) विश्वविद्यालय के अधिकारियों की नियुक्तियां, शक्तियां एवं उनके कर्तव्य

ख– कुलपति–

कुलपति

(एक) नियुक्ति– अधिनियम के अध्याय 4 धारा 11 में किये गये उपबंध के

अनुसार की जाएगी।

(दो) शक्तियां एवं कर्तव्य– कुलपति की शक्ति और उसके कर्तव्य अधिनियम के अध्याय 4, धारा 12 में किये गये उपबंधों के अनुसार होगें।

ग– प्रतिकुलपति–

प्रति कुलपति

नियुक्ति, शक्तियां एवं कर्तव्य– अधिनियम के अध्याय 4, धरा 13 के अनुसार होगें।

घ– कुलसचिव–

कुलसचिव

*(एक) किसी विश्वविद्यालय का कोई अध्यापक तीन वर्ष की अवधि मे लिए कुलसचिव नियुक्त किया जा सकता है।

(दो) ऐसे अध्यापक को महाविद्यालय या विश्वविद्यालय में कार्य करने का 5 वर्ष का अनुभव होना चाहिए।

(तीन) चयन समिति में कुलपति अध्यक्ष तथा सचिव, पशुधन, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट दो सदस्य होगें जो कुलसचिव के पद पर अभ्यर्थी का चयन करेगी। समिति की सिफारिशें सचिव, पशुधन, उत्तर प्रदेश सरकार को प्रेषित की जायेगी और उत्तर प्रदेश सरकार अधिसूचना जारी करेगी।

(चार) उपर्युक्त विकल्प (एक),(दो) और (तीन) के लिए उत्तर प्रदेश सरकार किसी प्रान्तीय सिविल सेवा के अधिकारी को अधिकतम 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्त कर सकती है।

(पांच) कुलसचिव की शक्ति और कर्तव्य, अधिनियम की धारा 14 के उपबंध के अनुसार होगें।

ङ– वित्त अधिकारी

वित्त अधिकारी

वित्त अधिकारी की नियुक्ति, शक्तियां एवं कर्तव्य, अधिनियम की धारा 16 एवं 17 के अनुसार होगें।

च– परीक्षा नियंत्रक

परीक्षा नियंत्रक

*(एक) किसी विश्वविद्यालय का कोई अध्यापक तीन वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा नियंत्रक नियुक्त किया जा सकता है।

(दो) ऐसे अध्यापक को महाविद्यालय या विश्वविद्यालय में कार्य करने का न्यूनतम 5 वर्ष का अनुभव होना चाहिए।

(तीन) चयन समिति में कुलपति अध्यक्ष तथा सचिव, पशुधन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट दो सदस्य होगे जो परीक्षा नियंत्रक के पद के लिए अभ्यर्थी का चयन करेगी। समिति की संस्तुति सचिव, पशुधन, उत्तर प्रदेश सरकार को भेजी जायेगी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अधिसूचना जारी की जाएगी।

(चार) उपरोक्त (एक), (दो) और (तीन) के विकल्प के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार किसी प्रान्तीय सिविल सेवा के अधिकारी को अधिकतम 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्त कर सकती है।

(पांच) शक्तियां और कर्तव्य, अधिनियम की धरा 15 के उपबंध के अनुसार होगें।

*** अधिसूचना 23 मई 2006 पशुधन अनुभाग –2 संख्या 2000 सैतीस–2–2006–3(11) 2004 दिनांक 17 मई 2006**

छ–संकायाध्यक्ष–

संकायाध्यक्ष

संकाय का संकायाध्यक्ष संबंधित संकाय का अध्यक्ष होगा और इसके प्रशासन के लिए कुलपति के प्रति उत्तरदायी होगा। किसी संकाय के संकायाध्यक्ष को निम्नलिखित अधिकार और कर्तव्य होगें:–

(एक) वह संकाय के संबंधित विभाग के शिक्षण/शोध/विस्तार कार्य के संगठन और संचालन के लिए उत्तरदायी होगा और उक्त प्रयोजन के लिए यथा आवश्यक आदेश पारित करेगा।

(दो) वह परिनियमावली और संकाय से संबंधित अन्य विनियम के सम्यक अनुपालन के लिए उत्तरदायी होगा।

(तीन) वह संबंधित संकाय के बोर्ड की बैठकों की अध्यक्षता करेगा। वह संकाय के कार्यकलापों से कुलपति को समय–समय पर अवगत करायेगा।

(चार) वह संकाय के छात्रों के प्रवेश पंजीकरण और प्रगति का पर्यवेक्षण करेगा।

(पांच) वह संबंधित महाविद्यालय/संकाय के भवनों और उपस्कारों के समुचित अनुरक्षण के लिए उत्तरदायी होगा।

(छः) वह संकाय के शासकीय कारोबार के संबंध में विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों, छात्रों और जनता से संवाद के लिए उत्तरदायी होगा।

(सात) वह संकाय के परामर्शदात्री समिति के परामर्श से संकाय का बजट तैयार करेगा।

(आठ) वह विभागाध्यक्षों, अध्यापकों और वैज्ञानिकों तथा स्वयं से संबंधित कर्मचारियों को छुट्टी स्वीकृत करेगा।

(नौ) वह कुलपति एवं कार्य परिषद द्वारा समनुदेशित किसी कार्य के लिए उत्तरदायी होगा।

ज–संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण–

(एक) वह छात्रों के लिए भोजनालय सुविधा की व्यवस्था करने के लिए उत्तरदायी होगा।

(दो) वह एलेमिनाई एसोसिएशन की गतिविधियों के सुगम संचालन के लिए उत्तरदायी होगा।

(तीन) वह छात्रवृत्ति एवं ऐसे अन्य गतिविधियों की व्यवस्था करेगा।

(चार) वह छात्रों के रहने की व्यवस्था करेगा।

(पांच) वह अवकाश के समय छात्रों की यात्रा सुविधा प्राप्त करने की व्यवस्था करेगा।

(छः) वह विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम और छात्रों की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा पर सामान्य नियंत्रण रखेगा।

(सात) वह छात्र अनुशासन समिति का अध्यक्ष होगा।

(आठ) वह कुलपति या कार्य परिषद द्वारा समनुदेशित किसी कार्य के लिये उत्तरदायी होगा।

झ– निदेशक, अनुसंधान

निदेशक अनुसंधान

(एक) निदेशक, अनुसंधान संबंधित संकाय और महाविद्यालयों के संकायाध्यक्षों के समन्वय में विश्वविद्यालय में समस्त अनुसंधान कार्यो का समन्वय करेगा।

(दो) वह अध्यापकों द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं की तैयारी के लिए

उत्तरदायी होगा और वह बाह्य और आन्तरिक अभिकरणों से वित्तीय सहायता प्राप्त करने में सहायता करेगा।

(तीन) वह परियोजनाओं के लिए सहायता देने वाली अभकरणों के लिए अनुसंधान परियोजनाओं के सामयिक प्रस्तुतिकरण को सुनिश्चित करेगा।

(चार) वह अपने अधीन कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आकस्मिक अवकाश स्वीकृत करने के लिए उत्तरदायी होगा।

(पांच) वह अनुसंधान परामर्शदात्री समिति के सचिव के रूप में कार्य करेगा और वह कुलपति को अनुमोदन के लिए अनुसंधान परामर्शदात्री समिति के सुझावों को प्रस्तुत करेगा। अनुसंधान परामर्शदात्री समिति का गठन निम्नवत् होगाः–

कुलपति–	(अध्यक्ष)
संकायाध्यक्ष	(सदस्य)
महाविद्यालयों के प्राचार्य	(सदस्य)
निदेशक, प्रसार	(सदस्य)
निदेशक, अनुसंधान	(सचिव)

(छः) समिति विश्वविद्यालय के अनुसंधान कार्य की विस्तृत रूपरेखा तैयार करेगी तथा समय–समय पर अनुसंधान की प्रगति का अनुश्रवण करेगी।

(सात) वह कुलपति एवं कार्यपरिषद द्वारा समनुदेशित किसी कार्य के लिए उत्तरदायी होगा।

(ञ) निदेशक, प्रसारः–

निदेशक प्रसार

(एक) निदेशक, प्रसार सम्बद्ध महाविद्यालयों के संकायाध्यक्षों और प्राचार्यो के समन्वय से समस्त प्रसार कार्यक्रमों और क्रियाकलापों की योजना बनाएगा और उनका निस्तारण करेगा।

(दो) निदेशक, प्रसार विभिन्न संकायों, महाविद्यालयों और कृषि विज्ञान केन्द्रों से पशुपालकों और किसानों तक सूचना पहुंचाने के लिए उत्तरदायी होगा।

(तीन) प्रसार हेतु कार्यरत विषय विशेषज्ञों को संबंधित संकाय या सम्बद्ध महाविद्यालय के विभागों से सम्बद्ध किया जाएगा।

(चार) निदेशक, प्रसार प्रसार क्रियाकलापों के लिए संकाय या सम्बद्ध महाविद्यालयों के अधिकारी (अधिकारियों) और तकनीकी कर्मचारियों से सहायता ले सकता है।

(पांच) निदेशक, प्रसार कुलपति को उसके अनुमोदन के लिए प्रसार परामर्शदात्री समिति के सुझावों को प्रस्तुत करेगा। समिति का गठन निम्नवत् होगाः–

कुलपति–	(अध्यक्ष)
संकायाध्यक्ष	(सदस्य)
महाविद्यालयों के प्राचार्य	(सदस्य)
निदेशक, अनुसंधान	(सदस्य)
निदेशक, प्रसार	(सचिव)

(छः) समिति राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रसार क्रियाकलापों के लिए कार्यक्रम तैयार करेगा।

(सात) निदेशक, प्रसार अपने अधीन कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के

आकस्मिक अवकाश स्वीकृत करने के लिए उत्तरदायी होगा।
(आठ) वह कुलपति एवं कार्यपरिषद के अधिकारियों द्वारा समनुदेशित किसी कार्य के लिए उत्तरदायी होगा।

प–विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष

विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष

(एक) वह विश्वविद्यालय पुस्तकालय का रख–रखाव करेगा।
(दो) वह सीधे कुलपति के प्रति उत्तरदायी होगा।
(तीन) वह विश्वविद्यालय पुस्तकालय का वार्षिक बजट तैयार करेगा।
(चार) वह अपने अधीन कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आकस्मिक अवकाश स्वीकृत करने के लिए उत्तरदायी होगा।
(पांच) वह कुलपति एवं कार्यपरिषद द्वारा समनुदेशित किसी कार्य के लिए उत्तरदायी होगा।

फ– निदेशक, नियोजन एवं प्रशिक्षणः–

निदेशक, नियोजन एवं प्रशिक्षण

(एक) वह कुलसचिव से स्नातक छात्रों के समस्त अभिलेख प्राप्त करेगा।
(दो) वह पंजीकृत स्नातकों के लिए पूर्वपेक्षित कर्मचारियों से सम्पर्क स्थापित करेगा।
(तीन) वह स्नातकों के आगे की शिक्षा और व्यवसाय के लिए मार्गदर्शन की व्यवस्था करेगा।

अध्याय–4
विभाग

विभाग शिक्षा और प्रशासन के प्राथमिक इकाई होगें। ये संकाय/संस्था और सम्बद्व महाविद्यालयों के अध्यापन, अनुसंधान और समुचित प्रसार कार्यक्रमों को जारी रखेगें।

विभागाध्यक्षः–

विभागाध्यक्ष

1. विभागाध्यक्ष विभाग के कार्य के संगठन के लिए उत्तरदायी होगा।
2. वह विभागीय बजट तैयार करेगा।
3. वह विभाग के अध्यापन, अनुसंधान और प्रसार कार्य के सम्बन्ध में महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष या प्राचार्य को रिपोर्ट करेगा।
4. वह विभागीय सम्पत्ति के समुचित देखभाल, अनुरक्षण और अभिरक्षा के लिए उत्तरदायी होगा।
5. वह महाविद्यालय के संकायाध्यक्ष/प्राचार्य द्वारा समनुदेशित किसी कार्य के लिए उत्तरदायी होगा।
6. वह विभाग के अध्यापकों और अन्य कर्मचारियों को आकस्मिक अवकाश स्वीकृत करने के लिए हकदार होगा।
7. *(क) विभाग में कार्यरत आचार्यों में से विभागाध्यक्ष की नियुक्ति वरिष्ठता के क्रम में अनुउपयुक्त को छोड़ते हुए, संकायध्यक्ष/प्राचार्य की संस्तुति पर कुलपति द्वारा की जायेगी ।

*(ख) विभागाध्यक्ष के कार्यकाल की अवधि योगदान की तिथि से तीन वर्ष होगी जिसका विस्तार नहीं होगा।

***संशोधन**: **कार्य परिषद् बैठक संख्या** 07 (20.12.2005), **प्रस्ताव संख्या** 15

अध्याय–5

अध्यापकों और अधिकारियों की नियुक्ति एवं सेवा शर्ते

अध्यापकों की नियुक्ति

1. अध्यापकों की नियुक्ति अधिनियम के अध्याय–7 की धारा 32 (1–3) में उपबंधित व्यवस्था के अनुसार की जायेगी।

चयन समिति

2. संकायाध्यक्षों/प्राचार्यो, निदेशकों, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, संकाय के अन्य अधिकारियों और अध्यापकों और महाविद्यालय (महाविद्यालयों) के अध्यापकों के लिए चयन समिति, नीचे यथा उल्लिखित विश्वविद्यालय अधिनियम के अध्याय–सात की धारा (4 क–घ) के अधीन किये उपबंधों के अनुसार गठित की जायेगीः–

(एक) **कुल सचिव/परीक्षा नियंत्रक**

क– कुलपति	(अध्यक्ष)
ख–सचिव, पशुधन द्वारा नामनिर्दिष्ट दो सदस्य	(सदस्य)

(दो) **वित्त अधिकारी**– वित्त अधिकारी की नियुक्ति राज्य सरकार की अधिसूचना द्वारा की जायेगी।

(तीन) **संकायाध्यक्ष/महाविधालयों के प्राचार्य**– का चयन, अधिनियम के अध्याय–7 की धारा 32 के अधीन व्यवस्था के अनुसार किया जायेगा।

(चार) **संस्थान के निदेशक**– का चयन, अधिनियम के अध्याय–7 की धारा 32 के अधीन की गयी व्यवस्था के अनुसार किया जायेगा।

(पांच) **अध्यापक (आचार्य, सह–आचार्य एवं सहायक आचार्य)**– का चयन, अधिनियम के अध्याय–7 की धारा 32 के अधीन की गई व्यवस्था के अनुसार किया जायेगा।

(छः) **विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी–**

(i)	कुलपति या कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट महाविद्यालय का संकायाध्यक्ष/ प्राचार्य	(अध्यक्ष)
(ii)	कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट दो विशेषज्ञ का संकायाध्यक्ष/प्राचार्य	(सदस्य)

(सात) **विश्वविद्यालय के अन्य कर्मचारी–**

कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट महाविद्यालय का संकायाध्यक्ष/प्राचार्य

क– कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट महाविद्यालय का संकायाध्यक्ष/ प्राचार्य	(अध्यक्ष)
ख– कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट दो आचार्य	(सदस्य)

*(आठ) संकायध्यक्ष/प्राचार्य के कार्यकाल की अवधि योगदान की तिथि से तीन वर्ष होगी।

***संशोधन: कार्य परिषद् बैठक संख्या** 07 (20.12.2005), **प्रस्ताव संख्या** 15

3– विश्वविद्यालय के किसी कर्मचारी, जिसकी सेवा अवधि के दौरान असामयिक मृत्यु हो जाती है या स्थायी रूप से विकलांग हो जाता है, का आश्रित (पत्नी या पति, पुत्र, अविवाहित पुत्री और विधवा पुत्री) श्रेणी तीन या चार के किसी शिक्षणेत्तर पद जिसके लिए वह उपयुक्त हो, और न्यूनतम अर्हताओं को पूरा करता हो, पर निम्नलिखित शर्तो के अधीन बिना

चयन प्रक्रिया के नियुक्त किया जा सकता हैः–

*क. विश्वविद्यालय सेवक की नियुक्ति नियमित रूप से अर्थात सेवा में भर्ती के लिए विहित प्रक्रिया के अनुसार हो रही हो अथवा

ख यदि उसकी नियुक्ति तदर्थ रूप से हुई हो तो उसने नियमित रिक्ति में तीन वर्ष की निरन्तर सेवा किया हो अथवा

ग. वह स्थाई सेवक रहा हो, तथा

घ. उस विश्वविद्यालय सेवक की सेवाकाल में मृत्यु हुई हो ।

ड. मृत विश्वविद्यालय सेवक पुरूष रहा हो तो उसकी पत्नी किसी राज्य सरकार अथवा केन्द्र सरकार अथवा राज्य या केन्द्र सरकार के स्वामित्वाधीन या नियन्त्रणधीन किसी निगम या विश्वविद्यालय में पहले से सेवायोजित न हो,

च. यदि मृत कर्मचारी सेवक महिला रही हो तो उसका पति किसी राज्य सरकार अथवा केन्द्र सरकार अथवा राज्य या केन्द्र के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी निगम या विश्वविद्यालय में पहले से सेवायोजित न हो,

छ. मृतक आश्रित के रूप में सेवायोजन के लिए मॉग करने के लिए व्यक्ति द्वारा मृत सेवक की मृत्यु के दिनांक से 5 वर्ष के अन्दर सेवायोजन के लिए आवेदन कर दिया हो।

***संशोधन: कार्य परिषद् बैठक संख्या** 10 (03.12.2007), **प्रस्ताव संख्या** 3

7–1 विश्वविद्यालय के अधिकारी, अध्यापक और अन्य कर्मचारी उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश के उपबंध के अनुसार कार्यभार ग्रहण करने के मास के प्रथम दिन से वार्षिक वेतनवृद्वि के लिए हकदार होंगे।

2– यदि किसी कर्मचारी की अधिवर्षता का सम्यक दिनांक, मास के अन्तिम दिनांक के सिवाय उस मास के किसी दिनांक को पडता है तो ऐसा कर्मचारी संबंधित मास के अन्तिम दिनांक को विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त होगा।

3– सेवांत अवकाश नकदीकरण की प्रसुविधाएं, उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेशों के उपबंधों के अनुसार लागू होंगी।

4– अधिवर्षिता के पश्चात पेंन्शन और अन्य सेवानैवृत्तिक, प्रसुविधाएं उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश के उपबंध के अनुसार लागू होंगी।

8–1 कार्य परिषद को कुलाधिपति की पुष्टि के अध्यधीन विद्या परिषद की सिफारिश पर सम्मानिक उपाधि और अन्य शैक्षिक विशिष्टयां प्रदान करने की शक्ति होगी।

2– सम्मानिक उपाधि प्रदान करने के समस्त प्रस्ताव, कुलपति द्वारा गठित समिति को किये जायेगें। समिति की सिफारिशें विद्या परिषद के समक्ष रखी जाऐगी। विद्या परिषद की सिफारिश कार्य परिषद को भेजी जाएगी। कार्य परिषद का संकल्प विश्वविद्यालय के कुलाधिपति को उसके अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। सम्मानिक उपाधि/डिप्लोमा कुलाधिपति के अनुमोदन के पश्चात ही अधिनिर्णीत किया जाएगा।

9– विश्वविद्यालय विद्या परिषद की सिफारिश तथा कार्य परिषद के अनुमोदन पर उसके द्वारा प्रदान किये गये किसी डिग्री या डिप्लोमा को किसी व्यक्ति से निम्न आधार पर वापस लेगाः–

(क) किसी अपराध के लिए किसी न्यायालय द्वारा दोषसिद्वि जो विद्या परिषद या कार्य परिषद की राय में गम्भीर अपराध है जिसमें नैतिक अधमता सम्मिलित हो।

(ख) विश्वविद्यालय देयों के संदाय में व्यतिक्रम।

10– कार्य परिषद द्वारा इस संबंध में समय–समय पर अनुमोदित विनियमों का अनुसरण किया जाएगा।

11– विश्वविद्यालय, विद्या परिषद द्वारा निर्धारित और कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित शर्तो पर निम्नलिखित उपाधि और डिप्लोमा प्रदान करेगाः–

(क) विद्या परिषद की सिफारिश और कार्य परिषद के अनुमोदन पर पशुचिकित्सा संकाय में पूर्व स्नातक (पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन) और स्नातकोत्तर उपाधि (पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन एवं पी.एचडी.) और अन्य संकायों में पूर्वस्नातक और स्नातकोत्तर उपाधियॉ।

(ख) विद्या परिषद की सिफारिश और कार्य परिषद के अनुमोदन पर डिप्लोमा प्रदान किये जायेंगे।

12–(क) छात्रों का प्रवेश, शैक्षिक विनियम–2004 या विद्या परिषद द्वारा समय–समय पर यथा संशोधित विनियम के आधार पर किया जाएगा।

(ख) छात्रों का पंजीयन प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में किया जाएगा। कुलसचिव विश्वविद्यालय शुल्क जमा किये जाने और पंजीयन किये जाने के पश्चात ही नामांकन करेगा।

(ग) छात्रों का नामांकन विद्या परिषद द्वारा स्थापित विनियमों के आधार पर होता रहेगा।

(ध) विश्वविद्यालय निम्नलिखित के लिए एक या उससे अधिक परीक्षाएं संचालित करेगाः–

प्रवेश परीक्षा, अर्हता परीक्षा, मध्यकालिक परीक्षा, अन्तिम परीक्षा, पूर्व अन्तिम परीक्षा, वार्षिक परीक्षा, घोषित और अघोषित परीक्षा, लधु प्रश्न परीक्षा, प्रेक्टिकल परीक्षा, मौखिक परीक्षा, विद्या परिषद द्वारा यथा अनुमोदित किसी अन्य प्रकार की परीक्षा।

(ङ) प्रत्येक पाठ्यक्रम में परीक्षाओं के अंक, विद्या परिषद द्वारा निर्धारित शर्तो के साथ शैक्षिक सत्र की समाप्ति पर अन्तिम परीक्षा के परिणाम में जोडे जायेगे। प्रश्नपत्रों को बनाने और उनके मूल्यांकन के लिए केवल संबंधित विषयों के परीक्षक प्राधिकृत है।

(च) प्रश्नपत्रों के उत्तर विश्वविद्यालय द्वारा विहित माध्यम में दिये जाऐगे।

(छ) किसी अध्ययन/पाठ्यक्रम या कार्यक्रम, प्रवेश परीक्षा, उपाधियों और अन्य शैक्षिक विशिष्टयों के लिए फीस संरचना, विद्या परिषद की सिफारिश पर कार्य परिषद द्वारा नियत किया जायेगा।

13– अधिछात्रवृत्तियां, छात्रवृत्तियां, विद्यावृत्तियां, छात्र सहायता वृत्तियां पदक और पारितोषिक विद्या परिषद द्वारा संस्तुत और कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित विनियमों के अनुसार प्रदान किये जाएगें।

14– परीक्षा निकायों, परीक्षकों और अनुसीमकों की पदावधि और नियुक्ति की रीति और परीक्षा निकायों के कर्तव्यों सहित परीक्षाओं का संचालन विद्या

परिषद द्वारा संस्तुत और कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित विनियमों के अनुसार होगा।

अध्याय–6
अधिनियम की धारा 39

1– **कुलपति की सेवा की परिलब्धियॉ और निबंधन एवं शर्तेः–**

(**एक**) कुलपति की नियुक्ति अधिनियम द्वारा निर्धारित रीति से की जाएगी, वह निःशुल्क सुसज्जित आवास के लिए हकदार होगा। कुलपति आवास व उससे संलग्न भूमि का रखरखाव विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा।

(**दो**) कुलपति भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और राज्य सरकार द्वारा यथा अधिसूचित वेतनमान प्राप्त करेगा और प्रभार, यदि कोई हो, समय–समय पर विश्वविद्यालय में सीधे और स्वतः लागू होंगे।

(**तीन**) कुलपति विश्वविद्यालय भविष्य निधि की प्रसुविधाओं के लिए हकदार नही होगा।

(**चार**) कुलपति, सक्रिय सेवा में व्यतीत की गयी अवधि के 1/11 भाग तक के लिए पूर्ण वेतन पर उपार्जित अवकाश का हकदार होगा।

ऊपर वर्णित अवकाश के अतिरिक्त कुलपति को बीमारी अथवा अपने व्यक्तिगत कार्यो के मामले में अपने तीन वर्ष के सेवाकाल में अनधिक 3 मास की अवधि तक बिना वेतन का अवकाश अर्जित करने के लिए हकदार होगा परन्तु बिना वेतन के लिये गये अवकाश के उस सीमा तक पूर्ण अवकाश में अन्ततः अन्तरित किया जा सकता है जिस सीमा तक अवकाश देय हो गया हो।

(**पांच**) कुलपति मुख्य परिसर के बाहर से (लेकिन भारत में) कर्तव्यों का निर्वहन कर सकता है और इसके लिए कोई लिखित अनुमति अपेक्षित नही है।

(**छः**) कुलपति को किसी लिखित अनुबन्ध की आवश्यकता नही होगी।

(सात) कुलपति को, यदि अपने मूल विभाग/संगठन से प्रतिनियुक्ति पर कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के लिए अवमुक्त किया जाता है तो विश्वविधालय मूल विभाग/संगठन को पेंशन संबंधी प्रसुविधाओं और वेतन अंशदान का भुगतान करेगा।

2– विश्वविद्यालय के अन्य कर्मचारियों की संख्या, अर्हताएं और परिलब्धियां।

(क) प्रत्येक विभाग में अध्यापकों की संख्या और उनकी अर्हता की सिफारिश विद्या परिषद द्वारा की जाएगी और अनुमोदन कार्य परिषद द्वारा किया जाएगा।

(ख) विश्वविद्यालय के अन्य वेतनभागी कर्मचारियों की संख्या और उनकी अर्हताऐं कुलपति द्वारा संस्तुत और कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित होगी।

(ग) शैक्षणिक कर्मचारी वर्ग की परिलब्धियां ऐसी होगी जैसा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/राज्य सरकार की सिफारिश के आधार पर कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित किया जाए। अन्य भत्ते और वित्तीय प्रसुविधाएं उत्तर प्रदेश

सरकार के शासनादेश के अनुसार होगी।

(ध) विश्वविद्यालय के अन्य कर्मचारियों की परिलब्धियां वही होंगी जो कुलपति द्वारा संस्तुत की जाएं और कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित की जाएं, अन्य भत्ते और वित्तीय प्रसुविधाएं उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश के अनुसार होंगी।

(ङ) विश्वविद्यालय के अधिकारियों, अध्यापकों और कर्मचारियों के वेतन निर्धारण से संबंधित मामलों में कुलपति का विनिश्चय अन्तिम होगा।

(च) यथास्थिति कार्य परिषद या कुलपति को न्यूनतम वेतनमान से अधिक वेतनमान वर्द्धित वेतनवृद्वि, भत्ता आदि, जैसा वे उचित समझे, को अनुमोदित करने की शक्ति होगी।

(छ) कार्य परिषद को विशेष मामलों में अन्य उपबंधों द्वारा अनाच्छादित कोई पद सृजित करने की शक्ति होगी।

(ज) कुलपति को विश्वविद्यालय के अधिकारियों, अध्यापकों और कर्मचारियों को मजदूर अतिकालिक प्रभारों और अन्य परिलब्धियों (व्यावसायिक समनुदेश आदि के लिए वाहन प्रभारो, मानदेय, पारिश्रमिक सहित) के सदस्य को अनुमोदित करने की शक्ति भी होगी।

(झ) कुलपति को निम्नलिखित को अनुमोदित करने की शक्ति होगीः—

(एक) सामान्य कर्तव्यों के अधीन अनाच्छादित कार्य करने के लिए विश्वविद्यालय के बाहरी व्यक्तियों और नियमित कर्मचारी वर्ग के लिए विभिन्न पारिश्रमिक दर।

(दो) विश्वविद्यालय के विभिन्न श्रेणी के दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों की मजदूरी/परन्तु इस प्रकार नियत की गयी मजदूरी राज्य सरकार द्वारा या सरकार द्वारा अवधारित किसी प्राधिकारी द्वारा समान श्रेणी के लिए नियत मजदूरी से अधिक नही होगी।

(तीन) प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा संचालन से संबंधित विभिन्न कार्यो के पारिश्रमिक का भुगतान समय—समय पर कुलपति द्वारा प्रस्तावित और कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित दरों के अनुसार किया जाएगा।

3— सेवा शर्ते, नियुक्ति, निलम्बन तथा निष्कासनः—

(क) प्रतिनियुक्ति पर सरकारी सेवकों के मामलों के अलावा विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों से विश्वविद्यालय की सेवा में कार्यभार ग्रहण करते समय कोई लिखित संविदा करने की अपेक्षा की जाएगी।

(1) अधिनियम की धारा 51 (ग) में किये गये उपबंध के अनुसार पूर्व विश्वविद्यालय के प्रत्येक पूर्णकालिक अध्यापकों/कर्मचारियों और अधिकारियों की सेवाएं विश्वविद्यालय को उन निबंधन और शर्तो पर अन्तरित होंगी जैसा कि वे ऐसे अन्तरण के ठीक पूर्व थी।

(2) उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा के सृजन से पहले पूर्व विश्वविद्यालय से अधिवर्षिता प्राप्त प्रत्येक अध्यापकों/कर्मचारियों और अधिकारियों के पेंशन संबंधी प्रसुविधा तथा अन्य वित्तीय

प्रसुविधाओं का भुगतान उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान मथुरा द्वारा किया जाएगा।*

* **अधिसूचना 23 मई 2006 पशुधन अनुभाग –2 संख्या 2000सैतीस–2–2006–3(11)2004 दिनांक 17 मई 2006**

(ख) किसी स्थाई पद के विरूद्व परिवीक्षा पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति की विश्वविद्यालय द्वारा विहित रीति से चिकित्सीय परीक्षण किया जाएगा और पुलिस उसकी पूर्व वृत्तिअयों को सत्यापित करेगी।

(ग) विश्वविद्यालय का प्रत्येक कर्मचारी, किसी स्थाई पद पर प्रथम नियुक्ति पर परिवीक्षा पर रहेगा।

(ध) परिवीक्षा अवधि सामान्यतः दो वर्ष की होगी, जिसे नियुक्ति प्राधिकारी इसे बढा सकता है, यदि संबंधित अधिकारी, अध्यापक या कर्मचारी का कार्य और आचरण असन्तोषजनक पाया जाता है।

(ङ) परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर कर्मचारी का स्थायीकरण किया जा सकता है बशर्ते कि उसका कार्य और आचरण संन्तोषजनक पाया जाय। यदि उसका स्थायीकरण न हो तो उसकी सेवाएं परिवीक्षा अवधि की समाप्ति पर समाप्त हुई समझी जाएगी।

(च) विश्वविद्यालय के परिसर के भीतर या बाहर किसी समकक्ष पद पर किसी अधिकारी या कर्मचारी को विश्वविद्यालय स्थानान्तरित कर सकता है।

(छ) सामान्यतः विश्वविधालय के अधिकारी अध्यापक और कर्मचारी इस संवर्ग के प्रारम्भिक मूल वेतन के हकदार होंगे तथापि चयन समिति की सिफारिश पर नियोक्ता उच्चतम वेतन अनुमोदित कर सकता है।

(ज) वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट विश्वविद्यालय के प्रत्येक अधिकारी, अध्यापक या कर्मचारी से प्राप्त की जाएगी।

(झ) यदि विश्वविद्यालय के अधिकारी/कर्मचारी/अध्यापक की अधिवर्षिता संबंधित माह के मध्य किसी दिनांक को पडती है तो ऐसा कर्मचारी संबंधित माह के अन्तिम दिवस को सेवानिवृत्त होगा। वेतनवृद्वि संबंधित माह के प्रथम दिवस को अनुज्ञात किया जाएगा।

(ट) यदि अधिनियम या परिनियमावली में अन्यथा उपबंधित न हो तो विश्वविधालय के अधिकारियों, अध्यापकों या कर्मचारियों की नियुक्ति, सेवा से निष्कासन या वेतन किसी अन्य प्रकार का दण्ड, जिसमें वेतनवृद्वि रोकने का प्राधिकार सम्मलित है, नियुक्ति प्राधिकारी पर निर्भर होगा।

(ठ) तथापि कुलपति इस संबंध में निम्नलिखित शक्तियों का प्रयोग करेगाः–

(एक) ऐसी जांच करना जैसा कि वह विश्वविद्यालय के किन्ही अधिकारियों, अध्यापकों या कर्मचारियों की ओर से अनियमितताओं या दुराचरण के आरोपों सहित तथ्य अभिनिश्चत करने और डाटा संगृहित करने के लिए आवश्यक समझे।

(दो) विश्वविद्यालय के किन्ही अधिकारियों, अध्यापकों या कर्मचारियों का स्पष्टीकरण मांगना।

(तीन) किन्ही अधिकारियों, अध्यापकों या कर्मचारियों के विरूद्व अनुशासनात्मक कार्यवाहियां प्रारम्भ करना और संचालित करना।

(चार) लघु दंड देना तथा चरित्र पंजिका में प्रविष्टि या अनधिक तीन वर्ष तक वार्षिक वेतनवृद्वियां रोकना।

(पांच) यदि दण्ड का आदेश कुलपति द्वारा हो तो प्रभावित व्यक्ति को आदेश जारी होने के दिनांक से तीन माह के भीतर कार्य परिषद को अपील करने का अधिकार होगा।

(छः) तथापि जहां अभिकथन या आरोप गम्भीर प्रकृति के हों तो कुलपति विश्वविद्यालय के किसी कर्मचारी को उसके विरूद्व जांच जारी रहने या उसके लम्बित रहने के दौरान निलम्बित कर सकता है।

4– विश्वविद्यालय के किसी अधिकारी, अध्यापक या कर्मचारी की सेवायें नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा केवल निम्न आधारों पर समाप्त की जा सकती हैः–

(एक) संबंधित प्राधिकारी के आदेशों के अवहेलना सहित अवचार।

(दो) किसी कृत्य का किया जाना, जिसमें नियुक्ति प्राधिकारी की राय में नैतिक अधमता सम्मिलित है।

(तीन) विश्वविद्यालय की निधियां एवं सम्पत्ति का दुरूपयोग।

(चार) भ्रष्टाचार।

(पांच) शारीरिक असमर्थता, चित्त विकृति।

(छः) पद समापन।

5– प्रत्येक कर्मचारी, जिसके विरूद्व अनुशासनिक कार्यवाही किया जाना अभिप्रेत हो, को विश्वविद्यालय के प्राधिकारी को लिखित रूप में प्रत्यावेदन करने का अवसर दिया जाएगा।

6– जब किसी कर्मचारी, जो निलम्बित हो, को अन्ततः पुनः स्थापित किया जाता है तो वह तब तक पूर्ण वेतन पायेगा जब तक संबंधित प्राधिकारी द्वारा दण्ड स्वरूप निलम्बन अवधि के लिए की जाने वाली कटौती का आदेश न दिया गया हो।

7– निलम्बित व्यक्ति निलंबन अवधि में किसी भी प्रकार के अवकाश के लिए हकदार नही होगा।

8– वेतनवृद्वि सामान्यतः आहरित होती रहेंगी बशर्ते कि संबंधित प्राधिकारी द्वारा वेतनवृद्वि रोकने का आदेश न दिया गया हो।

9– जहॉ कोई दक्षता रोके समयमान वेतनमान में विहित किया गया हो वहॉ दक्षता रोक के ऊपर की वेतनवृद्वि संबंधित प्राधिकारी के विनिर्दिष्ट अनुमोदन के बिना नही दी जाएगी।

10– अधिकारी, अध्यापक या कर्मचारी अपना सम्पूर्ण समय विश्वविद्यालय की सेवा के लिए अर्पित करेंगे और किसी व्यापार या कारोबार में नही लगायेगे या प्राधिकारी की पूर्व अनुज्ञा के बिना राजनीति में सक्रिय रूप में भाग नही लेगे।

11– कर्मचारी विश्वविद्यालय की सेवा की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय के बाहर की सेवा के लिए निम्नलिखित शर्तो के अधीन आवेदन कर सकता हैः–

(एक) कर्मचारी वर्ग के सदस्यों को विश्वविद्यालय के बाहर सीधे किसी सेवा के लिए आवेदन करने की अनुज्ञा नही होगी। ऐसे आवेदन अग्रिम पारेषण के लिए उचित माध्यम से कुलपति को प्रस्तुत किये जायेगे।

(दो) ऐसे सभी आवेदन कुलपति कार्यालय में समय से पहुॅच जाने चाहिए।

12– सेवा अभिलेख (चरित्रपंजी)

विभिन्न श्रेणी के कर्मचारियों के सेवा और कियाकलापों के अभिलेख कुलपति द्वारा विहित रीति से कुलपति कार्यालय में अनुरक्षित किये जायेगे। सेवा अभिलेख या चरित्रपंजी में प्रविष्ट प्रतिकूल अभ्युक्तियों की संसूचना कर्मचारी को लिखित रूप में दी जायेगी।

13– पदोन्नतियॉः–

(एक) चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति, ज्येष्ठता और उपयुक्तता के आधार पर वरिष्ठ चतुर्थ श्रेणी और तृतीय श्रेणी के पदों पर की जा सकती है बशर्ते कि वे सरकारी विनियमों के अनुसार न्यूनतम अपेक्षाओं को पूर्ण करते हो।

(दो) कनिष्ठ लिपिक से वरिष्ठ लिपिक, वरिष्ठ लिपिक से प्रधान लिपिक, प्रधान लिपिक से प्रधान सहायक, प्रधान सहायक से सहायक लेखा अधिकारी या सहायक रजिस्ट्रार के पद पर पदोन्नतियां ज्येष्ठता और उपयुक्तता के आधार पर की जायेगी बशर्ते कि व्यक्तियों के पास उक्त पद के लिए अपेक्षित और विहित अर्हता हो।

(तीन) प्रयोगशाला सहायकों की पदोन्नति सरकार द्वारा वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के पद सृजन के शर्त के अध्यधीन वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक और ज्येष्ठता और उपयुक्तता के आधार पर प्रयोगशाला तकनीकी के पद पर की जा सकती है बशर्ते कि व्यक्तियों के पास उक्त पद के लिए अपेक्षित और विहित अर्हता हो।

(चार) विश्वविद्यालय के अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों की पदोन्नतियां, सरकारी आदेशों के उपबंधों के अनुसार की जायेगी।

(पांच) अध्यापकों की पदोन्नति विश्वविधालय अनुदान आयोग/भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और राज्य सरकार द्वारा जारी किये गये व कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित आदेशों के अनुसार किया जाएगा।

अध्याय–7

घारा 39 (ट)

16– विश्वविद्यालय में निम्न संकाय होगें– संकाय

(एक) पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन

(दो) अन्य कोई संकाय, जो कार्य परिषद से अनुमोदित हो।

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह आयोजित करने के लिए नियम

दीक्षांत समारोह

1. Ordinarily one or more Convocations for conferring degrees shall be held each year at any Campus of the University Head Quarters of the Vishwa Vidyalaya on such date and at

such time as the Chancellor may appoint.

2. Not less than four week's notice shall be given by the Registrar of all meetings of the Convocation by notification in the news papers.
3. The candidate desiring to take the degree in person shall apply to the Registrar on the prescribed form obtainable from the office of the Vishwa Vidyalaya. The applications must reach the Registrar ten days before the date fixed for the Convocation accompanied by a fee of Rs. 50/-
4. The Vishwa Vidyalaya will supply uttariya to the candidates receiving degrees in person on payment of Rs.25/-. This uttariya fee of Rs. 25/- will in no case be refunded or adjusted towards fee for obtaining degrees in absentia.
5. The candidates who do not present themselves in person at the Convocation will be treated as receiving degrees in absentia. Such candidates shall apply to the Registrar in the prescribed application form and the fee for obtaining the degree in absentia will be Rs.300/- for all such students.
6. Candidates must appear in the prescribed academic dress at the time of convocation.
7. A rehearsal shall be arranged a day before or on the day of Convocation as required at which candidates for Degree must be present. Candidates absentee from rehearsal will not be allowed to participate in Convocation.
8. The Registrar shall issue a notice to each recipient of a Degree intimating the convocation programme and the procedure to be observed.
9. The academic robe for the convocation shall be as follows:
    (I) Black gown and black hood with appropriate uttariya for non-Ph.D.'s.
    (II) Red gown with red hood with appropriate uttariya for Ph.D.'s .

Member of Procession: Maroon colour with golden embroidery in the uttariya of the chief guest, the Chancellor and the Vice-Chancellor; silver embroidery of others.

Faculties: Blue uttariya for Veterinary Faculty. Uttariya for graduates will have yellow ribbons, those of post-graduates will have saffron ribbons and those of Ph.D.'s will have red ribbons.

University seal will be printed or embroidered on both ends of the uttariya at about ½ metre above each end.

"CONVOCATION PROCEDURE"

1. The Chancellor, the Chief Guest, Vice-Chancellor, and

Members of the Executive council and Members of the Academic Council shall assemble in the place notified for the purpose at the appointed hour and shall walk in procession in prescribed academic robe in rows of two in the following order to the Convocation hall. The procession will be led by the Registrar.

REGISTRAR

MEMBERS OF ACADEMIC COUNCIL, HEADS OF DEPARTMENTS

DEANS OF FACULTIES

MEMBERS, EXECUTIVE COUNCIL

VICE-CHANCELLOR

AND

A.D.C A.D.C

CHANCELLOR CHIEF GUEST

SECRETARY TO CHANCELLOR

2. The Chancellor, the Chief Guest, the Vice-Chancellor and the Registrar shall be seated in the front row on the dias and the Members of the Executive council and Academic Council will be seated in the next row. The recipients of degrees honoris causa will be seated in the front row by the sides of the dias.
3. On the procession entering the hall, the assembly shall rise and remain standing till members of the procession have taken their seats on the dias.
4. The proceedings of the Convocation will commence the singing of Bande-Matram to be followed by University song. Then the Chancellor will declare the Convocation open and in his absence, the Vice-Chancellor will do so. The Vice-Chancellor will say, Mr. Chancellor, I request you to declare the …… Convocation of U.P Pt. Deen Dayal Upadhaya Pashu Chikitsa Vigyan Vishwa Vidhyalaya Evem Anusandhan Sansthan open." The Chancellor will say, "I declare the…… Convocation of U.P Pt. Deen Dayal Upadhaya Pashu Chikitsa Vigyan Vishwa Vidhyalaya Evem Anusandhan Sansthan open."
5. The Vice-Chancellor shall read out his report.
6. After the report of the Vice-Chancellor is over there will the exhortations as mentioned below by him:

कुलपतिः मैं दीक्षा देता हूँ
सत्य बोलो,
कर्तव्य–पालन करो,
अध्ययनशील रहो।

स्नातकगणः मै प्रतिज्ञा करता हूँ।
कुलपति स्वस्थ बनो,
समृद्ध बनो,
उदार बनो।

स्नातकगणः मैं प्रतिज्ञा करता हूँ।
कुलपति देश को बलवान बनाओ,
देश को सुखी बनाओ,
देश को गौरवपूर्ण बनाओ।

स्नातकगणः मैं प्रतिज्ञा करता हूँ।
कुलपति पशुधन के विकास के लिए
नए–नए अनुसंधान करो,
नए ज्ञान का अध्ययन करो
अनुसंधान के परिणामों का प्रसार करो।

स्नातकगणः मैं प्रतिज्ञा करता हूँ।
कुलपति सत्य से विचलित न होना।
कर्तव्य से विचलित न होना।
उत्थान–कार्य से विचलित न होना।
कल्याण–कार्य से विचलित न होना।

स्नातकगणः मैं प्रतिज्ञा करता हूँ।
कुलपति तुम्हारा जीवन मंगलमय हो।

7. The Honorary Degrees, if any, shall then be presented.

8. This Registrar, will then request the Deans of the Faculties to present students for the award of degrees provided that degrees to Ph.D. scholars shall be awarded individually. The Deans shall present their students in the following order.

Ph.D
M.V.Sc.
B.V.Sc.& A.H.

All the presentees will stand when the Dean present them to the Chancellor/Vice-Chancellor for the degrees and will remain standing till they are admitted to the Degrees.

9. Deans will say:

"Mr. Chancellor/Vice-Chancellor, I present to you

Shri……./……. Candidates who has/have been examined and found qualified for the degrees of…….to which I pay he/they may be admitted.

The Chancellor/Vice-Chancellor will say:

"By virtue of the powers vested in me as Chancellor/Vice-Chancellor of U.P Pt. Deen Dayal Upadhaya, Pashu Chikitsa Vigyan Vishwa Vidhyalaya Evem Anusandhan Sansthan, I admit you/one and all, to …… Degree and I charge you that ever in your life and activities you prove yourselves worthy of the same.

10. After the distribution of Degree is over, the Registrar shall call the recipients of merit Medals and prizes. They shall stand before the Chancellor/Vice-Chancellor who shall present the medals.
11. The Chancellor/Vice-Chancellor will introduce the Chief Guest and request him to deliver the Convocation address.
12. The Chief Guest will then deliver the Convocation address.
13. The Chancellor/Vice-Chancellor will then declare the convocation closed.
14. Singing of National Anthem.
15. The procession will leave the Convocation hall in the following order and the assembly will stand.

SECRETARY TO CHANCELLOR

A.D.C
CHANCELLOR

A.D.C
CHIEF GUEST

VICE-CHANCELLOR
MEMBERS, EXECUTIVE COUNCIL
DEANS OF FACULTIES
MEMBERS OF ACADEMIC COUNCIL, HEAD OF DEPARTMENTS
REGISTRAR

*संशोधन: कार्य परिषद् बैठक संख्या 13 (12.12.2008), प्रस्ताव संख्या 05

अध्याय–8
अवकाशों के नियम

अवकाशों के नियम

परिनियम उन सरकारी सेवकों जो विश्वविद्यालय में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है के सिवाय, विश्वविधालय के समस्त कर्मचारियों पर लागू होगें।

(क) **अवकाश का अधिकार**– अवकाश का दावा, अधिकार स्वरूप नही किया जा सकता है। सेवा अत्यावश्यक होने पर मॉगे गये किसी प्रकार

के अवकाश को अस्वीकृत किया जा सकता है या कर्मचारी को स्वीकृतकर्ता प्राधिकारी द्वारा अवकाश से अनिवार्य रूप में वापस बुलाया जा सकता है।

(ख) **उपर्जित अवकाश**– ड्यूटी पर व्यतीत की गयी अवधि द्वारा अवकाश को उपार्जित किया जा सकता है।

(ग) **अवकाश का प्रारम्भ एवं उसकी समाप्ति**– सामान्यतया अवकाश उस दिनांक से प्रारंभ होता है जबसे उसका वास्तविक उपभोग किया जाता है तथा उस दिनांक को समाप्त हो जाता है जिस दिनांक को ड्यूटी ग्रहण की जाय या यदि ड्यूटी अपरान्ह में छोडी जाय या ग्रहण की जाय को अवकाश अगले दिन क्रमशः प्रारम्भ या समाप्त होगा। स्वीकर्ता प्राधिकारी की अनुज्ञा से रविवार या अन्य अवकाश दिवस या विश्वविद्यालय अवकाश के उक्त अवकाश में पूर्व नियत या पश्चात नियत किया जा सकता है।

(घ) विश्वविद्यालय के अधिकारियों और अध्यापकों को आकस्मिक अवकाश के सिवाय सभी प्रकार के अवकाश स्वीकृत करने की शक्ति कुलपति में निहित होगी और अन्य कर्मचारियों के मामले में विभागाध्यक्ष के पास निहित होगी। कुलपति द्वारा यथा प्रदत्त सामान्य या विनिर्दिष्ट अनुदेशों के अध्यधीन संकायाध्यक्ष/प्राचार्य/निदेशक/विभागाध्यक्ष सहायक आचार्य की श्रेणी तक के कर्मचारियों को 30 दिन तक का उपार्जित अवकाश भी स्वीकृत कर सकते है। विश्वविधालय के संकायाध्यक्ष/प्राचार्यो, निदेशकों और अधिकारियों के आकस्मिक अवकाश कुलपति द्वारा स्वीकृत किया जाएगे और अध्यापकों सहित अन्य सदस्यों को अवकाश संकायाध्यक्ष/प्राचार्य, निदेशकों और संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा स्वीकृत किया जाएगा।

(ङ) **निम्नलिखित प्रकार का अवकाश अनुमन्य होगाः–**

1– आकस्मिक अवकाश
2– उपार्जित अवकाश
3– अर्द्व वेतन पर अवकाश
4– असाधारण अवकाश
5– प्रसूति अवकाश
6– चिकित्सा अवकाश
7– **अध्ययन** अवकाश*

1– आकस्मिक अवकाश– विश्वविद्यालय का कोई कर्मचारी प्रत्येक कैलेण्डर वर्ष में 14 दिन के आकस्मिक अवकाश के लिए पात्र होगा। यह अवकाश अगले वर्ष के लिए अग्रभीत नही किया जा सकता है।

2– उपार्जित अवकाश– विश्वविद्यालय का कोई कर्मचारी समय–समय पर यथा संशोधित शासनादेश के उपबंध के अनुसार पूर्ण वेतन पर उपार्जित अवकाश के लिए हकदार होगा। परन्तु यह और कि जब कुल उपार्जित अवकाश तीन सौ दिन तक एकत्रित हो जाय तो कर्मचारी ऐसा उपार्जित नही करेगा।

3– अर्द्व वेतन पर अवकाश– विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारी समय–समय पर यथा संशोधित सरकारी आदेश के उपबंधों के अनुसार अर्द्व वेतन पर अवकाश के लिए हकदार होगें।

4– असाधारण अवकाश– वास्तविक आवश्यकता की स्थिति में और जब कोई अन्य अवकाश देय न हो तो अवकाश स्वीकृत करते समय विनिर्दिष्ट किये जाने वाले शर्तो के अध्यधीन बिना वेतन का अवकाश स्वीकृत किया जा सकता है।

5– प्रसूति अवकाश– विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारी राज्य सरकार के पुनरीक्षण के अध्यधीन बच्चे के प्रसव के समय 90 दिन के प्रसूति अवकाश के लिए हकदार होगी। यह अन्य समस्त उपलब्ध अवकाश के अतिरिक्त होगा।

6–स्थायी कर्मचारी के लिए चिकित्सीय प्रमाण–पत्र पर अवकाश– विश्वविद्यालय के स्थायी कर्मचारी को उसकी सम्पूर्ण सेवा अवधि के अनधिक 12 माह का चिकित्सीय प्रमाण–पत्र पर अवकाश स्वीकृत किया जा सकता है।

(क) उपार्जित अवकाश सहित चिकित्सीय प्रमाण–पत्र पर अवकाश, यदि कोई हो, एक बार में आठ माह से अधिक नही होगा। ऐसा अवकाश, ऐसे चिकित्सा प्राधिकारी से प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने पर दिया जाऐगा जैसा कि कुलपति इस निमित्त साधारण या विशेष आदेश द्वारा ऐसे चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा संस्तुत अवधि तक के लिए विनिर्दिष्ट करें। चिकित्सीय प्रमाण–पत्र पर अवकाश स्थाई कर्मचारियों को इस शर्त के अध्यधीन अनुमन्य होगा कि इस परिनियम के अधीन कोई अवकाश स्वीकृत नही किया जा सकता है जब तक कि छुट्टी स्वीकृत करने के लिए सक्षम प्राधिकारी का समाधान न हो जाय कि इस बात की युक्तियुक्त आधार विद्यमान है कि विश्वविद्यालय कर्मचारी आवेदित अवकाश की समाप्ति पर ड्यूटी पर वापस आने के लिए उपयुक्त हो।

(ख) अस्थाई कर्मचारी के लिए चिकित्सा प्रमाण–पत्र पर अवकाश– विश्वविद्यालय के अस्थायी कर्मचारी को उसकी सम्पूर्ण सेवा अवधि में अनधिक चार माह का चिकित्सा प्रमाण–पत्र पर अवकाश स्वीकृत किया जा सकता है परन्तु उपार्जित अवकाश यदि कोई हो, सहित चिकित्सा प्रमाण–पत्र पर अवकाश आठ माह से अधिक नही होगा। ऐसा अवकाश, ऐसे चिकित्सा प्राधिकारी जैसाकि कुलपति सामान्य या विशेष आदेश द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट करें, से प्रमाण–पत्र प्रस्तुत किये जाने पर और ऐसे चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा संस्तुत अवधि से अनधिक अवधि तक के लिए स्वीकृत किया जाएगा।

अस्थाई कर्मचारियों को चिकित्सा प्रमाण–पत्र पर अवकाश निम्नलिखित शर्तो के अधीन अनुमन्य होगाः–

1–जिस पद से विश्वविद्यालय कर्मचारी अवकाश पर जाता है, ड्यूटी पर वापस आने तक उस पद के बने रहने की सम्भावना की जाती है।

2– इस परिनियम के अधीन कोई अवकाश स्वीकृत नही किया जा सकता है जब तक कि अवकाश स्वीकृत करने के लिए सक्षम प्राधिकारी का यह समाधान नही हो जाता है कि इस बात की युक्तियुक्त सम्भावना है कि विश्वविद्यालय कर्मचारी आवेदित अवकाश

की समाप्ति पर ड्यूटी पर वापस आने के लिए स्वस्थ होगा।

7– अध्ययन अवकाश

PhD अध्ययन अवकाश के लिए नियमावली

शिक्षक के उच्च शिक्षा के लिए अध्ययन अवकाश का लाभ उठाने के लिए पात्रता

एक सहायक प्रोफेसर को अपने कार्य के क्षेत्र में आधुनिक विकास के साथ समानता रखने एवं विश्व विद्यालय के लिए उसके योग्यता और उपयोगिता में सुधर लाने और अपने कैरियर की संभावनाओं का उन्नयन हेतु 3 वर्ष की एक न्यूनतम निरंतर और संतोषजनक सेवा के बाद PhD करने के लिए अनुमति प्रदान की जा सकती है। उसे विश्व विद्यालय के भीतर या विश्व विद्यालय के बहार पूर्ण वेतन एवं भत्तों के साथ अवकाश प्रदान किया जा सकता है। हालांकि, वे अभ्यर्थी जो बिना वेतन के अध्ययन अवकाश का लाभ उठाना चाहते है उनके लिए निरंतर सेवा के केवल न्यूनतम दो वर्ष की अवधि आवश्यक होगा. हालांकि, परिवीक्षा अवधि की निकासी अध्ययन अवकाश की मंजूरी के लिए अनिवार्य होगा।

अध्ययन अवकाश की अवधि: -

अध्ययन अवकाश की अवधि इस प्रकार होगा: -

PhD within the institution	3 semesters (18 months) for including comprehensive exam
PhD from outside the institution	Grant of study leave for 36 mo

Note:

1. जो विश्वविद्यालय के भीतर पीएचडी की पढ़ाई करता है उसको comprehensive examination के बाद University Join कर अनुसंधान कार्य जारी रखना होगा जो की 09 credit प्रति semester से अधिक नहीं होगा।
2. वे जो विश्वविद्यालय के बाहर PhD करने गए है यदि उन्हें अध्ययन अवकाश अवधि समाप्त होने पर PhD पूरा करने के लिए और अवकाश की आवश्यकता होती है तो वे अपना PhD वैसे अवकाश जिसके लिए वे eligible है या अवेतन छुट्टी ले के जारी रख सकते है। अधिकतम अवकाश अवधि 5 साल का होगा। यदि पदधारी PhD पांच साल के भीतर पूरा करने में विफल रहता है, तो उसे University Join कर पूरा वेतन जो वह अवकाश अवधि में प्राप्त किया वापस करना होगा।
3. कोई भी शिक्षक अध्यन अवकाश को अधिकार स्वरुप प्राप्त करने का हक़दार नहीं होगा. अध्ययन अवकाश संबंधित विभाग के शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार और अन्य विभागीय जिम्मेदारियों और अध्ययन अवकाश की मंजूरी के प्रभाव, पर्याप्त और उचित कर्मियों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए मंजूर किया जाएगा। यह एक शिक्षक प्रति विभाग या विभाग के शिक्षण कर्मचारियों की संख्या का 25% की अधिकतम के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा और विभाग से अगला पदधारी पहले गए हुए शिक्षक के विभाग में वापस आने के बाद ही अध्यन लाभ प्राप्त करने का हक़दार होगा या पहले गए हुए शिक्षक को 3 - 6 माह के अन्दर वापस आने की सम्भावना है।
4. कोई भी कर्मचारी उच्च योग्यता हासिल के एवज में उसकी किसी भी परिवर्तन जैसे स्थिति, वरिष्ठता, वेतनमान या सेवा का एक अन्य शर्त का दावा नहीं करेगा।

हालांकि, यह उन उपार्जित लाभों पर लाग नहीं होगा जो यदि शिक्षक को स्नातकोत्तर प्रशिक्षण नहीं जाने पर भी प्राप्त होता।

5. (a) पदधारी जिन्हें अध्यन अवकाश स्वीकृत होता है है उसे अध्यन अवकाश पर जाने से पहले PhD पूरा कर के आने के पश्चात् विश्वविद्यालय में अध्यन अवकाश का दुगना और एक साल का सेवा करने का bond भरना होगा। हालांकि, जो बिना वेतन के अध्यन अवकाश पर जाते है उन्हें कम से कम एक साल और जितने अवधि का अवैतनिक अध्यन अवकाश का लाभ लिया उतने अवधि विश्व विद्यालय में सेवा करने का bond भरना होगा।

   (b) वे शिक्षक जो विश्वविद्यालय में PhD उपाधि प्राप्त करने के लिए पंजीकृत है, उन्हें अपने Course Work के समय PG छात्र Guide करने की अनुमति नहीं होगी।

   (c) यदि किसी मामले में पदधारी अध्ययन अवकाश के पूरा होने के बाद विश्वविद्यालय में उतने अवधि जो की Bond के अनुसार आवश्यक है की सेवा करने में विफल रहता है, तो उसे मामले के अनुसार, पुरे अवधि या उतने अवधि जो की Bond पूरा होने के लिए बाकि है के वेतन और भत्तों का भुगतान करना परेगा।

6. पूर्वोक्त Bond भरने के आलावा शिक्षक को कोई दो surety या किसी बिमा कम्पनी का फिडेलिटी Bond या अनुसूचित बैंक का गारंटी उपलब्ध करना होगा. वह surety विश्व विद्यालय को स्वीकार्य होना चाहिए। वहां जहाँ नियमित कर्मचारी दो surety उपलब्ध करा दे वहां विश्व विद्यालय अतिरिक्त fidelity या बैंक गारंटी छोर सकता है। Surety धारा अध्यन अवकाश Bond का हिस्सा होगा और यदि सम्बंधित शिक्षक Bond के दायित्व को पूरा करने में विफल रहता है तो वन व्यक्ति जो Surety दिया है विश्व विद्यालय को वसूली योग्य धन राशी भुगतान करने का उत्तरदायी होगा।

7. (a) सामान्य वार्षिक वेतन वृद्धि, बकाया और अन्य परिलब्धियां अध्ययन की पूरी अवधि के लिए दिया जाना जारी रहेगा जो की पदधारी को अध्ययन अवकाश पर नहीं जाने पर प्राप्त होता, आगे, जो ICAR, CSIR, DBT आदि के राष्ट्रीय प्रतियोगिता के माध्यम से फैलोशिप के साथ PhD में दाखिला प्राप्त करता है उसे fellowship राशी के अतिरिक्त पूरा वेतन दिया जायेगा, यदि फेलोशिप के लिए आवेदन विश्वविद्यालय के माध्यम से किया है।

   (b) कोई भी In -service शिक्षक किसी अन्य भत्ता जैसे यात्रा भत्ता और मासिक भत्ता इत्यादि का हक़दार नहीं होगा।

8. संबंधित शिक्षक को जिस दिनांक से अध्ययन अवकाश पर जाना चाहता है उसके कम से कम ३ महीने पहले उचित माध्यम के द्वारा कुलसचिव को अध्ययन अवकाश प्राप्त करने के लिए विवरण के साथ आवेदन करेगा।

9. पेंशन / अंशदायी भविष्य निधि के लिए अध्ययन अवकाश की अवधि के लिए सेवा के रूप में गिनती की जाएगी, बशर्ते शिक्षक अध्ययन अवकाश की समाप्ति पर विश्वविद्यालय में पदभार ग्रहण कर लेता है। हालांकि पदोन्नति / CAS या Direct recruitment के लिए अध्ययन अवकाश अवधि की गिनती नहीं किया जाएगा।

10. यदि शिक्षक चालू शैक्षणिक सत्र में प्रदान की गयी अध्ययन अवकाश का लाभ नहीं उठा पाता है तो वह रद्द समझा जाएगा बशर्ते जहाँ प्रदान की गयी अध्ययन अवकाश

इसलिए रद्द किया गया है, शिक्षक एक वर्ष के अंतराल के बाद फिर से इस तरह की छुट्टी के लिए आवेदन कर सकता है।

11. प्रति 6 माह शिक्षक को अपने suprevisor या Head of Institution से अपने अध्ययन की प्रगति report अधिष्ठाता, संकाय को जमा करना चाहिए. यह report अधिष्ठाता तक अध्ययन अवकाश के प्रति 6 माह समाप्त होने के एक माह के अन्दर पहुंचना चाहिए। यदि रिपोर्ट निर्धारित समय अवधि के भीतर अधिष्ठाता तक नहीं पहुँच पाती है, तो ऐसी रिपोर्ट की प्राप्ति तक वेतन का भुगतान आस्थगित किया जा सकता है। मामले में यदि ऐसी रिपोर्ट असंतोषजनक है तो अध्ययन अवकाश रद्द किया जा सकता है और पदधारी को तुरंत योगदान कर अध्ययन अवकाश अवधि में खर्च वास्तविक राशि वेतन एवं भत्ता जमा करना होगा।
12. अध्ययन अवकाश विभागाध्यक्ष और संबंधित संकाय के अधिष्ठाता के सिफारिशों पर कुलपति द्वारा प्रदान किया जाएगा।
13. कुलपति के अनुमोदन के बिना किसी भी शिक्षक को जिसे अध्ययन अवकाश प्रदान किया गया है अध्ययन के पाठ्यक्रम में परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।
14. अध्ययन अवकाश का लाभ उठाने के लिए, एक शिक्षक को अपनी अपने प्रस्तावित अध्ययन अवकाश की समाप्ति के बाद न्यूनतम 10 वर्ष का सेवा बचे होने चाहिए।

<u>Post - Doctoral Programme अध्ययन अवकाश के लिए नियमावली</u>

1. यदि कोई शिक्षक भारत या विदेश में Post -doctorate करने के इच्छुक है तो उसे भी पूर्ण वेतन और भत्तों के साथ दो वर्ष की अधिकतम अवधि के लिए अध्ययन अवकाश के अवसर प्रदान किया जा सकता है।
2. पोस्ट - डॉक्टरल कार्यक्रम के लिए अध्ययन अवकाश की अनुमति पांच साल की नियमित सेवा के बाद ही दिया जा सकता है और उम्मीदवार के CR में कोई प्रतिकूल प्रविष्टि नहीं होना चाहिए।
3. ऐसे शिक्षकों को अध्ययन अवकाश की अवधि से दुगना एवं एक वर्ष अधिक अवधि की सेवा करने के लिए एक बांड प्रस्तुत करना होगा।
4. उन शिक्षकों को, जो पहले से ही PhD अध्ययन के लिए अध्यन अवकाश का लाभ उठाया है उन्हें भी पोस्ट डॉक्टरेट अध्ययन अवकाश के अनुदान के लिए विचार किया जा सकता है केवल तब जब न्यूनतम निष्क्रिय समयावधि 5 साल या बांड की अवधि से अधिक 2 वर्ष के पूरा हो गया हो, किसी भी हालत में, पोस्ट डॉक्टरेट अध्ययन अवकाश की अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं होगा।
5. PhD अध्यन अवकाश के लिए उल्लिखित अन्य नियम Post - Doctorate अध्ययन अवकाश के लिए भी लागू होगा।

*संशोधन: कार्य परिषद् बैठक संख्या 19 (07.10.2011), प्रस्ताव संख्या 03

अध्याय–9
प्रतिनियुक्ति

प्रतिनियुक्ति

1–विश्वविद्यालय के अध्यापकों और कर्मचारियों को अनधिक अधिकतम 5 वर्ष की अवधि तक के लिए विश्वविद्यालय के बाहर प्रतिनियुक्ति पर

सेवा करने के लिए अनुमति प्रदान की जा सकती है। ये कर्मचारी पेन्शन अभिदान और अवकाश वेतन के लिए कर्मचारियों द्वारा किये गये अभिदान के अनुसार हकदार होगें।

2– नियुक्ति प्राधिकारी से अनुज्ञा प्राप्त करने के पश्चात प्रतिनियुक्ति की अनुज्ञा होगी।

3– अन्य सरकारी संस्था के कर्मचारी और अध्यापक भी, अपने पैतृक विभाग/संस्था की समुचित अनुमति से अपने पैतृत संस्थाओं या विभागों से पेन्शन, अभिदान या अवकाश वेतन अभिदान के उपर्युक्त प्राविधानों के लिए हकदार होगे।

4– कार्य परिषद, विशेष मामलों में, अपने शैक्षिक कर्मचारियों मे से किसी कर्मचारी को विदेश या भारत में किसी स्थान पर विशेष अध्ययन या अनुसंधान के लिए ऐसे निबंधन और शर्तो, जैसा कि वह उचित समझे, पर भेजने का विनिश्चय कर सकती है।

अध्याय–10
सेवानिवृत्ति की आयु

सेवानिवृत्ति की आयु

*विश्वविद्यालय के अध्यापकों की अधिवर्षता आयु 62 वर्ष एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की आयु 60 वर्ष होगी। सेवानिवृत्ति की इस आयु में समय–समय पर शासनादेश के अनुरूप परिवर्तन किया जा सकेगा।

(एक) परन्तु यह किसी अध्यापक की अधिवर्षिता का दिनांक 30 जून के बाद पड़ता है तो वह अध्यापक शैक्षणिक सत्र अर्थात आगामी 30 जून की समाप्ति तक सेवा में बना रहेगा और उसे अधिवर्षिता के दिनांक से आगामी 30 जून तक पुनः रोजगार में माना जाएगा।

(दो) परन्तु यह और कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की अधिवर्षिता को दिनांक, माह के अन्तिम दिनांक से भिन्न माह के किसी दिनांक को पड़ता है तो ऐसा कर्मचारी संबन्धित माह के अन्तिम दिनांक को सेवानिवृत्त होगा ।

(तीन) किसी बात के होते हुए, नियुक्ति प्राधिकारी किसी कर्मचारी (स्थायी या अस्थायी) को किसी समय नोटिस द्वारा कोई कारण समनुदेशित किये बिना उससे 50 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात सेवानिवृत्त होने के लिए अपेक्षा कर सकता है या समय–समय पर संशोधित वित्तीय हस्तपुस्तिका में अन्तर्विष्ट उपबन्धों के अनुसार ऐसा कर्मचारी नियुक्ति प्राधिकारी को नोटिस देकर 45 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात या 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर, जो भी पहले हो, किसी समय स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले सकता है।

***अधिसूचना 23 मई 2006 पशुधन अनुभाग –2 संख्या 2000सैतीस–2–2006–3(11)2004 दिनांक 17 मई 2006**

अध्याय –11
सामान्य भविष्य निधि/विश्वविद्यालय भविष्य निधि

सामान्य भविष्य निधि/ विश्वविद्यालय भविष्य निधि

1. इस परिनियमों में –

क– ''वेतन'' का तात्पर्य मासिक वेतन से है और जिसमें राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त समय–समय पर यथा परिभाषित समस्त नियत मासिक भत्ते सम्मिलित हैं।

ख– ''सेवा'' का तात्पर्य विश्वविद्यालय के प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या कर्मचारी से है जिसमें, ऐसे अधिकारी या कर्मचारी सम्मिलित नहीं होगें जो सरकार द्वारा विश्वविद्यालय में प्रतिनियुक्ति पर भेजे गये हों या जो सरकारी पद से अवकाश लेने के उपरान्त विश्वविद्यालय के किसी स्थायी अथवा अस्थायी पद पर या विश्वविद्यालय के अन्तर्गत चल रही किसी योजना में मौलिक रूप से नियुक्त किये गये हों ।

ग ''अभिदाता'' का तात्पर्य उस कर्मचारी से है, जो इस परिनियमावली के अधीन विश्वविद्यालय भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि में निक्षेप करता हो ।

घ. ''बचत बैंक'' तात्पर्य डाकघर या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक से है जहॉ बचत खाता हो ।

ड. ''ब्याज'' का तात्पर्य डाकघर बचत बैंक या किसी राष्ट्रीयकृत बचत बैंक में जमा पूॅजी पर संदत्त ब्याज से है, जो कि समय–समय पर डाकघर/राष्ट्रीयकृत बैंक, बचत बैंक द्वारा निर्धारित किया जाय ।

च– ''आश्रित'' का तात्पर्य अभिदाता द्वारा नामनिर्दिष्ट मृतक के निम्नलिखित रिश्तेदारों में से उस रिश्तेदार से है, जो सामान्य भविष्य निधि के लिए नामनिर्दिष्ट किया गया हो जैसे पत्नी, पति, पुत्र, माता–पिता, बच्चों, छोटा भाई, अविवाहित बहिन एवं मृतक के पुत्र की विधवा और उसके बच्चे ।

2. विश्वविद्यालय का प्रत्येक अधिकारी/अध्यापक/कर्मचारी/ अभिदाता अपने वेतन के 10 प्रतिशत के दर से विश्वविद्यालय भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि में अभिदान करेगा जिसके लिए यू0 पी0 एफ0 और जी0 पी0 एफ0 लेखा के प्रयोजन से खाता खोला जायेगा। और धनराशि में जी0 पी0 एफ0 लेखा में जमा किया जाएगा। तथापि अभिदाता का अपने वेतन के 20 प्रतिशत की सीमा तक अंशदान करने की अनुज्ञा होगी, किन्तु विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय भविष्य निधि में अभिदान की दरें तथा विहित रूप में रहेगी । प्रस्तुत किये गये प्रत्येक वेतन बिल पर कटौती विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी। इस कटौती की गणना में एक रूपये के भिन्न को छोड़ दिया जाएगा। अवकाश पर होने या पूर्ण वेतन से कम वेतन आहरित करने पर अभिदाता द्वारा अभिदान ऐच्छिक होगा । नीचे खण्ड 3 के अधीन विश्वविद्यालय द्वारा अभिदान के साथ–साथ इस प्रकार कटौती की गई धनराशि कोषागार/बचत बैंक में जमा की जायेगी । मासिक कटौतियॉ और अभिदानों के सम्बन्ध में संदाय, यथा सम्भव, धनराशि की प्राप्ति के दो दिन के भीतर कोषागार/बचत बैंक में किया जायेगा, जिससे कि ब्याज प्रोद्भूत हो सके । इस सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनायी जाएगी ।

डाकघर/राष्ट्रीयकृत बैंक विश्वविद्यालय भविष्य निधि के सभी अभिदाताओं के वैयक्तिक खाते खोते खोलेगें । विश्वविद्यालय यह व्यवस्था करेगा कि इन खातों में जमा की जाने वाली समस्त धनराशियॉ समय से कोषागार/बचत बैंक खातों/डाकघर में भेज दी जाए । इस परिनियमावली में जमा की जाने वाली धनराशि का विवरण दर्शाने वाली एक सूची प्रपत्र संख्या–एक में सलंग्न की जाएगी । विश्वविद्यालय के प्रत्येक अधिकारी/अध्यापक/कर्मचारी का जी0 पी0 एफ0 खाता विश्वविद्यालय में होगा और उक्त जी0 पी0 एफ0 धनराशि मथुरा स्थित कोषागार में जमा

किया जाएगा ।

3. वित्त अधिकारी सरकारी उपबन्धों के अनुसार कटौतियों और ब्याज सहित भविष्य निधि खातों का विवरण अनुरक्षित रखेगा ।

4. भविष्य निधि खाता से आहरण की अनुज्ञा तभी दी जाएगी जब विश्वविद्यालय में किसी अभिदाता की सेवाएं उसकी सेवानिवृत्ति त्यागपत्र, मृत्यु या अन्यथा के कारण समाप्त हो जायें। परन्तु कोई सेवक, जिसकी सेवायें कार्य परिषद की राय में घोर अवचार के कारण समाप्त कर दी गई हो, विश्वविद्यालय द्वारा उसकी ओर किये गये अभिदान और किसी अभिदान पर ब्याज की धनराशि प्राप्त करने का हकदार न होगा और इस पर परिनियम, के अधीन रोका गया ब्याज विश्वविद्यालय का होगा और इसे विश्वविद्यालय के खाते में जमा कर दिया जायेगा ।

कर्मचारी उस पर उपगत ब्याज सहित समस्त विश्वविद्यालय अभिदान प्राप्त करने का केवल तभी हकदार होगा जब वह न्यूनतम 36 माह की अवधि तक विश्वविद्यालय में सेवा कर लिया/ली हो और उसने पद से त्यागपत्र देने की अनुज्ञा प्राप्त कर ली हो ।

5. किसी अभिदाता या उसके आश्रित की गभ्भीर बीमारी, भू–क्रय, भवन निर्माण या पुराने भवन के मरम्मत, बच्चों की शिक्षा या अभिदाता की प्रास्थिति अनुरूप किसी अन्य बाध्यकर व्ययों, जिन्हें रूढ़िगत प्रथाओं द्वारा उसे उस पर वास्तविक रूप में आश्रित व्यक्तियों के विवाहों, दाहसंस्कारों और अन्य गृहकर्मों के सम्बन्ध में उपगत कराना हो, की स्थिति में, कुलपति किसी अभिदाता को उसके द्वारा अभिदान की गई धनराशि और उस पर ब्याज की धनराशि और ब्याज की धनराशि से उतनी धनराशि, जितना कुलपति उचित समझे अस्थायी रूप में आहरण करने की अनुज्ञा दे सकता है परन्तु अग्रिम में में ली गई धनराशि अभिदाता के छः माह के वेतन या अभिदाता द्वारा अभिदान की गई धनराशि, जिस पर ब्याज सम्मिलित हो, के पचास प्रति जो भी समय–समय पर निर्गत शासनादेशों/सरकार के उपबन्धों के अनुसार कम हो, से अधिक नहीं होगी । कुलपति, तथापि, आपवादिक मामलों में, सीमा से अधिक ऋण की धनराशि का अनुमोदन प्रदान कर सकता है। परन्तु इस प्रकार अग्रिम में ली गयी धनराशि अभिदाता द्वारा अभिदानित धनराशि के पचहत्तर प्रतिशत धनराशि से अधिक नहीं होगी । यू0 पी0 एफ0 खाता से (प्रतिशत या अप्रतिदेय) अग्रिम लेने के उपबन्ध का विनियमन इस रीति से किया जायेगा जैसा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस प्रयोजन से विहित किया जाय ।

टिप्पणी– इस परिनियम के अधीन अग्रिम में दी गयी धनराशि ऐसी होगी जो छत्तीस समान मात्राओं में विभाज्य हो ।

6. खण्ड 5 के अधीन ली गई अग्रिम धनराशि का प्रतिदाय निधि में छत्तीस मासिक किश्तों में की जाएगी । तथापि स्वेच्छा से कोई अभिदाता छत्तीस किश्तों के कम किश्तों में भुगतान कर सकता है या अग्रिम स्वीकृत किये जाने के पश्चात पूर्ण माह के वेतन के प्रथम वेतन प्रारम्भ होने वाले दो या उससे अधिक किश्तों में प्रतिसंदाय कर सकता है। किश्तों का भुगतान वेतन या अवकाश वेतन से अनिवार्य कटौती द्वारा किया जाएगा और उक्त भुगतान पूर्ववत अभिदान के अतिरिक्त होगा ।

7. भविष्य निधि से अन्तिम आहरण की अनुज्ञा, अभिदाता द्वारा भवन निर्माण का क्रय, अभिदाता के पुत्र या पुत्री के विवाह, अभिदाता के बच्चों को भारत के बाहर या अन्दर उच्च शिक्षा आदि के प्रयोजन के लिये उन्हीं निबन्धन एवं शर्तों पर प्रदान की जाएगी जो राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर उक्त के सम्बन्ध में बनायी गयी नियमावली के अधीन राज्य सरकार के कर्मचारियों के अनुमन्य हो ।

8. (1) प्रत्येक अभिदाता को विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी के कार्यालय में इस परिनियमावली में अनुलग्न प्रपत्र दो में घोषणापत्र दाखिल करना होगा जिसमें यह दर्शाया जाय कि उसकी मृत्यु या विक्षिप्त हो जाने की स्थिति में अभिमोचित किये जाने हेतु निधि में अपनी संचित धनराशि (नामांकन) के सम्बन्ध में उसकी क्या इच्छा है। परन्तु यदि अभिदाता के आश्रित हो तो उसे किसी बाहरी व्यक्ति को नामांकित करने की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी ।

(2) अभिदाता विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से साक्ष्यांकित लिखित आवेदन द्वारा समय–समय पर अपने नामित व्याक्तियों को परिवर्तित कर सकता है। ऐसे नामित व्यक्तियों की पंजी विश्वविद्यालय के कार्यालय में रखी जाएगी ।

9. सेवानिवृत्ति या मृत्यु के समय किसी अभिदाता को जी0 पी0 एफ0 / यू0 पी0 एफ0 खाते के नामे जमा कोई धनराशि, जो स्वयं को या अभिदाता के किसी आश्रित को या उसकी ओर से भुगतान प्राप्त करने के लिए विधि द्वारा प्राधिकृत किन्ही व्यक्तियों को संदेह हो, किन्हीं कटौतियों के अधीन परिनियमावली द्वारा प्राधिकृत रूप में निहित होगी और अभिदाता की मृत्यु के पूर्व मृतक अधीन उपगत या आश्रित द्वारा उपगत किसी ऋण या अन्य दाायित्व से मुक्त होगी ।

आज्ञा से
लव वर्मा,
प्रमुख सचिव

अध्याय –12

*यात्रा–भत्ता

1. विश्वविद्यालय के अधिकारियों / शिक्षकों / कर्मचारियों को यात्रा–भत्ता / दैनिक भत्ता उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समय–समय पर निर्गत शासनादेशानुसार अनुमन्य / देय होगा।
2. विश्वविद्यालय की विभिन्न समितियों कार्य परिषद के समस्त प्राधिकारियों सदस्यों को विश्वविद्यालय की बैठकों में भाग लेने हेतु यात्रा भत्ता / दैनिक भत्ता शासनादेशानुसार देय होगा ।
3. अकार्यालीय सदस्यों को यात्रा–भत्ता उसी दर से देय होगा जिस दर से वह सदस्य निजी कारोबार के लिए यात्रा करते है।
4. कुलपति किसी भी कर्मचारी / शिक्षक / अधिकारी को विश्वविद्यालय कार्य हित में हवाई यात्रा वातानूकूलित कोच या निजी वाहन / टैक्सी में यात्रा करने की अनुमति प्रदान कर सकते है।

***संशोधन: कार्य परिषद् बैठक संख्या** 07 (20.12.2005), **प्रस्ताव संख्या** 16

प्रपत्र– एक

माह .....

पासबुक में अंकित खाता संख्या	अभिदाता का नाम	उसका अभिदान	विश्वविद्यालय द्वारा अंशदान	योग
1	2	3	4	5

योग ..... उत्तर प्रदेश पं0 दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा
दिनांक .....विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा

प्रपत्र–दो

..... के लिए ..... अभिदान

घोषणा–पत्र

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी मृत्यु या विक्षिप्त होने की स्थिति में मेरी भविष्य निधि में मेरे नामे जमा धनराशि की नीचे उल्लिखित व्यक्तियों में उनके नाम के सम्मुख दर्शायी गयी रीति से आवंटित की जाएगी।

नामित व्यक्ति या नामित व्यक्तियों के नाम और पता	अभिदाता का नाम	वयस्क या अवयस्क (यदि अवयस्क है तो उसकी जन्मतिथि का उल्लेख कीजिए)	जमा धनराशि के अंश की धनराशि
1	2	3	4

दिनांक ..... अभिदाता का हस्ताक्षर एवं पदनाम

अभिदाता के हस्ताक्षर के दो साक्षी

1. नाम .....
   व्यवसाय .....
   पता .....
2. नाम .....
   व्यवसाय .....
   पता .....

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 1058/XXXVII-2-2004-3(11)/2004, dated: March 29, 2005.

No. – 1058/XXXVII-2-2005-3(11)/2004

Lucknow: Dated March 29, 2005

In exercise of power under sub section (1) of season 38 of the Uttar Pradesh Pandit Deen Dayal Upadhyaya Pashu Chikitsa Vigyan Vishwavidhyalaya Evam Go-Anusandhan Sansthan Adhinium, 2001 (U.P. Act no. 27 of 2001), The Governor is pleased to make the following first Statutes of the Uttar Pradesh Pandit Deen Dayal Upadhyaya Pashu Chikitsa Vigyan Vishwavidhyalaya Evam Go-Anusandhan Sansthan, Mathura.

FIRST STATUES OF UTTAR PRADESH PANDIT DEEN DAYAL UPADHYAYA PASHU CHIKITSA VIGYAN VISHWAVIDHYALAYA EVAM GO-ANUSANDHAN SANSTHAN, MATHURA

Pariniyam (Statutes) - 2005

Short title and commencement

1 (i) These Statutes may be called the first statutes of Uttar Pradesh Pandit Deen Dayal Upadhyaya Pashu Chikitsa Vigyan Vishwavidhyalaya Evam Go-Anusandhan Sansthan, Mathura 2005

(ii) They shall come into force with effect from the date of publication of this notification in the Gazette.

Chapter-1

Definition

2. In these Statutes, Unless the context otherwise requires –

(i) "Act" means The Uttar Pradesh Pandit Deen Dayal Upadhyaya Pashu Chikitsa Vigyan Vishwavidhyalaya Evam Go-Anusandhan Sansthan, Mathura Adhiniyam 2001

(ii) "Constituent College" means a College or Institution maintained by the University and established on the main campus or else where.

(iii) "Affiliated College" means a college or institution affiliated to the University in accordance with provision of this Adhiniyam and the Statutes.

(iv) words and expressions not defined in these Statutes and used in the Act shall have the meaning assigned to them in the Act.

(v) " Prescribed" means prescribed by the Statutes.

(vi) "Section" means the section of the Act.

Chapter-2

Authorities of the University
(Section 18 of the Act)

Authorities of the University

3. Authorities of the University

(a) The Executive Council.

(b) Academic Council.

(c) The Finance Committee.

(d) Examination Committee

(e) Such other authorities as may be declared by Statutes to be the authorities of the University.

Executive Council

(a) The Executive Council shall work as per provisions of sections 19 and 20 of the Act. The Executive Council of University can delegate its power to any authorities of the University or Officer of the University. The Executive Council will take the decision to any issue by majority of votes. The chairman of Executive council will cast his vote to any issue only if the votes are equally divided and his vote will be the deciding factor.

Academic Council

(b) The Academic Council will be constituted and shall exercise the powers and duties as per provisions of section 21 of the Act. The term of the nominated member of the Academic Council shall be two years. The concerned Faculty Board will nominate a representative each from the concerned faculty. Four professors working in the faculty nominated by Vice-chancellor shall be members of academic council*

***Amendment:** Executive Council 13th Meeting (12.12.2008), Proposal No. 2

Finance Committee

(c) The Finance Committee will be constituted and shall exercise the powers and duties as per provisions of section 22 of the Act.

Examination Committee

(d) Examination committee shall work as per the provision under section 23 of the Act and accordingly under section 23(1), following shall be the members of the committee:

(a) Dean of the Faculty/ Principal of College. (nominated by the Vice Chancellor)	Chairman
(b) Controller of Examination	Secretary
(c) Registrar	Member
(d) Two Teachers nominated by the vice Chancellor	Member

Note: The term of the nominated member of the Examinations Committee shall be one year i.e. one academic year.

(e) Such other authorities as may be declared by Statutes to be the authorities of the University: As per section 24 of the Act, following shall also be the authority of the University:

Board of Faculty

(i) Board of Faculty of concerned faculty/college: Board of faculty shall supervise and advise on all the academic matters of the concerned faculty and shall submit its proposal to the Academic Council for its approval.

CHAPTER -3
Officers of the University
(Section 9 of the Act.)

Officers of the University

4. Officers of the University

(1) As per the provision under section 9 of the Act, following shall be the Officers of the University.

(a) Chancellor

(b) Vice Chancellor

(c) Pro-Vice Chancellor

(d) Registrar

(e) Finance Officer

(f) Controller of Examination

(g) Deans of the Faculty

(h) Such other persons in the service of the University as may be declared by the Statutes to be the officers of the University.

All the officers (a-g) shall be appointed and shall exercise the powers and duties as per the provision under section 10 to 16 of the Act.

Under section 9(h) of the Act, the Vice Chancellor can declare any officer/teacher of the University as the Officer of the University on the recommendation of the Academic Council and approval of the Executive Council. Accordingly, following shall be the other officers of the University (As per section 9(h) of the Act.)

1. Dean Student welfare (DSW)
2. Director Research.
3. Director Extension.
4. University Librarian.
5. Directors Training and Placement.

Appointment, Powers and Duties

(2) 39 (A) Appointment, powers and duties of the Officers of the University.

Vice-Chancellor

(B) (i) Appointment – Appointment of the Vice Chancellor shall be made as per the provision made in Chapter 4 Section 11 of the Act.

(ii) Power and Duties- Power and duties of the Vice Chancellor shall be as per provisions made in Chapter 4 section 12 of the Act.

Pro Vice-Chancellor

(C) Appointment, power and duties- shall be as per the provisions of Chapter 4 section 13 of the Act.

Registrar*

(D) (i) Any teacher of any University can be appointed as Registrar of the University for a period of 3 years.

(ii) The teacher should have 5 years of experience of working in a College or University.

(iii) Selection committee consisting of Vice-Chancellor as Chairman and two members nominated by secretary Animal Husbandry Uttar Pradesh Government shall make selection of the candidate for the post of Registrar. The recommendations of the Committee will be sent to Secretary Animal Husbandry Uttar Pradesh Government and Government of Uttar Pradesh will issue the notification.

(iv) Alternative to (i), (ii) and (iii) above, the Uttar Pradesh Government can depute any provincial Civil Service officer for a maximum period of 3 years.

(v) Powers and duties of the Registrar shall be as per the provision of section 14 of the Act.

Finance Officer

(**E**) The appointment, powers and duties of Finance Officer shall be as as per the provision of section 16 and 17 of Act.

Controller of Examination*

(F) (i) Any teacher of any University can be appointed as the Controller of Examination for a period of 3 years.

(ii) The teacher should have atleast 5 years of experience of working in a College or University.

(iii) Selection committee consisting of Vice-Chancellor as Chairman and two members nominated by Secretary Animal Husbandry Uttar Pradesh Government shall make selection of the candidates for the post of Controller of Examinations. The recommendations of the committee will be sent to the Secretary, Animal Husbandry, Government of Uttar Pradesh, Government will issue the notification.

(iv) Alternative to (i), (ii), and (iii) above, the Uttar Pradesh Government can depute any PCS Officer for a maximum period of 3 years.

(v) Powers and duties shall be as per provisions of section 15 of the Act.

(**G**) Dean of the Faculty shall be Chairman of concerned faculty and will be responsible to the Vice Chancellor for its administration. The Dean of a Faculty shall have the following powers and duties.

(i) He shall be responsible for organization and conduct of teaching /research/ extension work of the department concerned of the Faculty; and for that purpose shall pass such orders as may be necessary.

(ii) He shall be responsible for due observance of the Statutes and other regulation relating to the Faculty. He shall preside over the meetings of board of concerned faculty.

(iii) He shall inform the Vice-Chancellor regarding activities of the faculty from time to time.

(iv) He shall supervise the admission, registration and progress of the students of the Faculty.

*** अधिसूचना 23 मई 2006 पशुधन अनुभाग –2 संख्या 2000सैतीस–2–2006–3(11)2004 दिनांक 17 मई 2006**

(v) He shall be responsible for proper maintenance of the building and equipments of the concerned College/Faculty.

(vi) He shall be responsible and serve as the Officer for communication of the official business of the Faculty with other authorities of the University, Students and public.

(vii) He shall prepare the budget of the Faculty in consultation with the Advisory Committee of the Faculty.

(viii) He shall be entitled to grant leave to Heads of the Departments, teachers and scientists and employees attached to him.

(ix) He shall be responsible for any work assigned to him by the Vice-Chancellor and Executive Council.

Dean Student Welfare

(**H**) (i) He shall be responsible for arranging mess facility for the students.

(ii) He shall be responsible for smooth running of the activities of alumini association.

(iii) He shall make arrangements for scholarship and such other activities.

(iv) He shall make arrangements for the housing of students.

(v) He shall make arrangements for obtaining the travel facilities for the students for holidays.

(vi) He shall exercise general control on the physical education programme of the University, medical and health services of the students.

(vii) He shall be the Chairman of the Students Disciplinary Committee.

(viii) He shall be responsible for any work assigned to him by the Vice-Chancellor or Executive Council.

Director of Research

(**I**) (i) The Director of Research shall coordinate all the research activities in the University in cooperation with the Deans of respective Faculty and Colleges.

(ii) He shall be responsible for preparation of the Research Projects by teachers and help in obtaining financial assistance from outside and inside agencies.

(iii) He shall ensure the timely submission of Research Projects to the agencies supporting the projects.

(iv) He shall be the responsible for granting casual leave to the officers and employees working under him.

(v) He shall serve as the Secretary of Research Advisory Committee and shall submit suggestions of Research Advisory Committee for approval to the Vice-Chancellor. The Constitution of Research Advisory Committee will be as follows-

Vice-Chancellor	Chairman
Deans of the faculty	Member
Principals of the College	Member
Director Extension	Member
Director Research	Secretary

(vi) The committee will prepare the detailed outline of research work of the University and will monitor progress of research from time to time.

(vii) He will be responsible for any work assigned by the Vice-Chancellor and Executive Council.

(**J**) (i) The Director of Extension shall plan and execute all extension programmes and activities in cooperation with the Deans of Faculty and Principles of the affiliated colleges.

(ii) The Director of Extension shall be responsible for dissemination of information from various faculties, Colleges and Krishi Vigyan Kendra to animal owners and farmers.

(iii) Subject Matter Specialist (s) working for extension will be attached to departments of the concerned Faculty or the affiliated College.

(iv) The Director Extension can take the help from the officer(s) and technical employees of the Faculty or the affiliated Colleges for Extension activities.

(v) Director of Extension shall present the suggestions of the Extension Advisory Committee to the Vice-Chancellor for his approval. The Constitution of Committee shall be as follows: -

Vice-Chancellor	Chairman
Deans of the faculty	Member

Principals of the College	Member
Director Research	Member
Director Extension	Secretary

(vi) The committee shall prepare the programmes for extension activities at the State and National level.

(vii) Director of Extension shall be the responsible for granting casual leave to officers and employee working under him.

(viii) He shall be responsible for any work assigned to him by the Vice-Chancellor and Executive Council.

University Librarian

(**K**) (i) He shall maintain the University library.

(ii) He shall be directly responsible to the Vice-Chancellor.

(iii) He shall prepare the Annual Budget of the University Library.

(iv) He shall be responsible for granting casual leave to the officers and employees working under him.

(v) He shall be responsible for any work assigned to him by the Vice-Chancellor or the Executive Council.

Director of Training & Placement

(**L**) (i) He shall obtain all records of graduate students from the Registrar.

(ii) He shall establish contacts with the prospective employers for registered graduates.

(iii) He shall provide direction for further education and jobs for graduates.

CHAPTER-4
The Departments

Head of Department

5. The Department shall be primary unit of education and administration. It shall carry on the teaching, research and appropriate extension programmes of the Faculty/Institution and the affiliated Colleges.

1. The Head of Department shall be responsible for the organization of work of the Department.

2. He shall prepare the departmental budget.

3. He shall report on the teaching, research and extension work of the department to Dean of the Faculty or to the Principal of the affiliated College.

4. He shall be responsible for due care, maintenance and custody of the Departmental property.

5. He shall be responsible for any work assigned to him by the Dean of the Faculty/Principal of the college.

6. He shall be entitled to grant casual leave to teachers and other employees of the Department.

*07 (A) Head of the Department will be appointed by Vice-chancellor on recommendation of Dean/ principal from the Professor working in the Department excluding unsuitable.

(B) The tenure of Head of the Department will be of three years from the date of joining that will not be extended.

*** Amendment: Executive Council meeting No. 07** (20.12.2005)**, Proposal No. 15**

CHAPTER-5
APPOINTMENT CONDITIONS OF OF TEACHERS SERVICE AND OFFICERS

6. (1) Appointment of the teacher shall be made as per the provision provided in chapter VII section 32 (1-3) of the act.

2. Selection committees for the Deans/Principals, Director, Registrar, Controller of Examination, other officers and teachers of Faculty and teachers of the college(s) shall constituted as per the provisions made under section 32 (4a-d) of chapter VII of the University Act as detailed below.

(l) Registrar/Controller of examination

Vice- chancellor	(Chairman)
Two member nominated by secretary animal husbandry	(Member)

(ll) Finance Officer: finance officer shall be appointed by state government notification.

(lll) Dean of Faculties/Principal of Colleges: Selection shall be made as per the provision made under section 32 of the Chapter VII of the Act.

(v) Teachers (Professor/Associate Professor/Assistant Professor): Selection shall be made as per the provision made under section 32 of the chapter VII of the Act.

(Vl) Other officers of the university

(i) Vice-chancellor or Dean of Faculty/ Principal of College Nominated by vice-chancellor	Chairman
(ii) two experts nominated by the chancellor	Member

(Vll) other employees of the university

Dean of faculty/principal of the college Nominated by vice-chancellor	Chairman
Two professor nominated by the Vice Chancellor	Member

*(**VIII**) The tenure of Dean/ Principle shall be of three years from the date of joining.

*** Amendment: Executive Council meeting No. 07** (20.12.2005)**, Proposal No. 15**

3. A dependent (wife or husband, son, unmarried daughter and widow daughter) of an employee of the university dying in harness or becoming permanently disabled during the service may be appointed on any non-teaching post of class III or IV is provided be or she fulfils the minimum qualification or is found suitable without selection procedure with following condition-

a. The employee was appointed in the University on regular basis that is according to prescribed procedures or

b. If his/ her appointment was on ad-hoc form then he/ she should have served for three continuous years in regular vacancy, or

c. He/She was permanent employee, and

d. The death of the University employee happened during his service period.

e. If the deceased University employee was a man, then his wife should not be already in job under state government or central government or any corporation owned or controlled state/ central government or in the University.

f. If the deceased University employee was a woman, then her husband should not be already in job under state government or central government or any corporation owned or controlled state/ central government or in the University.

g. Candidate who wish to get employed as dependent of deceased should apply to the University within 5 years from the death of deceased.

*** Amendment:** Executive Council meeting No. 10 (3.12.2007), Proposal No.3

7. (1) Officers, teachers and other employees of the university shall be entitled for annual increment fro the 1st day of the joining month as per the provision of the Government order of Government of Uttar Pradesh.

(2) If the due date of superannuation of an employee falls on any date of the month except the last date of the month such employee shall retire from the University service on the last date of the respective month.

3. The benefits of terminal leave encashment shall be applicable as per the provision of Government Orders of the Uttar Pradesh government.

4. After superannuation, the pension and other retirement benefits shall be applicable as per provision Government Order of the Uttar Pradesh Government.

8 (l) The Exclusive Council shall subject to confirmation by the Chancellor have the power to confer Honorary Degree and other academic distinctions on the recommendation Academic Council. **Section 39 c**

(2) All proposals for the conferment Honorary Degree shall be made to the Committee constitute by the Vice-Chancellor. Recommendation of the Committee shall be place before the Academic Council. Recommendations of the Academic Council shall be sent to Executive Council. The resolution of the Executive Council shall be sent to the Chancellor of the University for his/her approval. The Honorary Degree/Diploma shall be awarded only after the approval of the Chancellor.

9. The University shall, on the recommendation of the Academic Council and approval of Executive Council withdraw any degree or diploma granted by it from a person on the following grounds. **Section 39 d**

(a) Conviction by a court of law for any offence, which in opinion of the academic council or is serious offence involving moral turpitude.

(b) Default with payment of university dues.

10. Regulations approved from time to time to time in this regard by the Executive Council shall be followed. **Section 39 e**

11. The University shall award the fallowing Degree, and Diplomas on the conditions laid down by the Executive Council.

(a) Undergraduates (Bachelor of Veterinary Science and Animal Husbandry) and post graduate degree (Master of Veterinary Science, Ph.D) in

Veterinary Faculty and undergraduate and postgraduate degree in other Faculties on the recommendation of the Academic Council and approval of the Executive Council.

(b) Diploma etc. shall be awarded on the recommendation of the academic council executive council.

12. (a) Student will be admitted on the basis of academic regulation 2004 or amended by the Academic Council from time to time.

(b) Students will be registered in every academic session. The Registrar will enroll names only after deposition of the University fee and registration.

(c) Enrollment of the student shall continue on the basis of regulations set by the Academic Council.

(d) University can conduct one or more examination for the following: - Entrance test, qualifying examination, midterm examination, final examination, pre-final examination, annual examination, announced and unannounced examination, small questions examination, practical examination Viva-Voice examination, any other type of examination, as approved by the Academic Council.

(e) In every course, marks of all the examination will added in the final examination result at the end of the academic session with the conditions laid down by the Academic Council. Only the concerned subjects examiners are authorized to set the question paper and evaluate the same.

(f) Answers of the question papers shall be given only in medium prescribed by the University.

(g) For any study/course or programme, entrance examination, degrees and other academic distinctions, the fee structure shall be fixed by Executive Council on the recommendation of Academic Council.

Section 39 h

13. Fellowship, scholarship, studentship, exhibitions, medals and prizes shall be awarded as per the regulation recommended by the Academic Council and approved by the Executive Council.

Section 39 i

14. The conduct of examinations, including term of office and manner of appointment and duties of examining bodies, examiners and moderators shall be as per the regulation recommended by the Academic Council and approved by the Executive Council.

CHAPTER-6

15. (1) (i) The Vice-Chancellor shall be appointed in the manner laid down by the Act. He shall be entitled to a free furnished residence. The university shall maintain the Vice- Chancellor's residence and the apartment ground if any.

Emoluments terms and conditions of service of the Vice-Chancellor

(ii) The Vice-Chancellor shall get the pay scale as notified by the Indian Council of Agriculture Research and the State Govt. and the changes if any from time to time, shall be directly and automatically applicable in this University.

(iii) The Vice –Chancellor shall not be entitled to benefits of the University Provident Fund.

(iv) The Vice –Chancellor shall be entitled to earn leave on full pay for 1/11th of the period spend on active service. In addition to the leave noted above, the Vice-Chancellor shall be entitled in case of illness or on account of private affair to earn leave without pay for a period not exceeding 3 month during the of period of his three year tenure, provided that leave taken without pay may be subsequently transferred in to leave on full pay to the extent to which leave may have become due.

(V) The Vice –Chancellor may, carry on the duties from outside the main campus (but in India) and for it no written permission is required.

(Vl) The Vice-Chancellor will not have to enter in to a written contract as required.

(Vll) If Vice-Chancellor is relieved from his parent Department/Organization on deputation to join as Vice-Chancellor. The University shall pay the pensionary benefits and salary contribution to the parent Department/ Organization.

Number qualifications emoluments of other employee of the University

2. (a) Number of teacher in each department and their qualification shall be as recommended by the Academic Council and approved by the Executive Council.

(b) The number of other salaried employees of the university and their qualifications shall be as recommended by the Vice-Chancellor and the approved by the Executive Council.

(c) The emoluments of the Academic staff shall be such as may be approved by the Executive Council on basis of recommendation of Indian Council of Agriculture Research/University Grant Commission /State Government. Other allowances and financial benefits shall be as per the Government Order of Government of Uttar Pradesh.

(d) Emoluments of the other employee of the university shall be as recommended by the Vice-Chancellor and approved by the Executive Council. Other allowances and financial benefits shall be as per the Government order of Government of Uttar Pradesh.

(e) On the matters regarding fixation of salary of the officers, teachers and employee in the University decision of the Vice-Chancellor shall be final.

(f) The Executive Council or the Vice-Chancellor as the case may be, shall have the power to sanction a higher start than the minimum of the pay scale, accelerated increment, allowance etc. as they deem fit.

(g) The executive council shall in special cases have the power to create a post not covered by other position.

(h) Vice-chancellor shall also have the power to sanction payment of wages, overtime charges and other emolument (including conveyance charges, honorarium, remuneration for professional assignment etc.) to the officers, teachers and employee of the University

(i) The Vice-Chancellor shall have to approve:-

(I) Various rates of remuneration of outsiders and regular staff of the University for doing work not covered under their normal duties

(ll) The wages of different category of daily paid workers of the University

provided that the wages so fixed shall not exceed those fixed for similar category by the State Govt. or any authority determined by the Government.

(lll) Remuneration for various works connected with the conduct of Competitive Entrance Examination shall be paid as per the rates proposed by the Vice-Chancellor and approved by the Executive Council from time to time.

3. **Conditions of service, Appointment, Suspension, Removal**:

Conditions of service, Appointment, Suspension, Removal and Control

(a) Expect in cases of Govt. servants on deputation, all employees of the university shall be required to enter in to a written contract at the time of joining the service University service

(i) As per provision made in the section 51c of the act services of every whole time teachers/employees and officers of the erstwhile University shall stand transferred to the University on term and conditions as they stood immediately before such transfer.

(ll) Pensionary benefits, and other financial benefits of every teachers/employee and officers of the erstwhile university who superannuated before the creation of Uttar Pradesh Pandit Deen Dayal Upadhyaya Pashu Chikisa Vigyan Vishwavidyalaya Evam Go-Anusandhan Sansthan, Mathura shall be paid as such by Uttar Pradesh Pandit Deen Dayal Upadhyaya Pashu Chikisa Vigyan Vishwavidyalaya Evam Go-Anusandhan Sansthan, Mathura*

* अधिसूचना 23 मई 2006 पशुधन अनुभाग –2 संख्या 2000सैतीस–2–2006–3(11)2004 दिनांक 17 मई 2006

(b) Every person appointed on probation against a permanent post, shall be medical examined in the manner prescribed by the University and the police shall verify his/her antecedents

(c) Every employee of the University, on his first appointment against a permanent post shall be on probation.

(d) The period of probation shall ordinarily be two years. The appointing authority can extend it, if the work and conduct of the concerned officer, teacher or employee is found unsatisfactory.

(e) At the and of probation period, the employee may be confirmed provided his work and conduct are found to be satisfactory. If he is not confirmed, his service shall be deemed to have been terminated of the probation period.

(f) The University can transfer any officer or employee on any equivalent post within or outside the main campus of the University.

(g) Ordinarily, officers teachers and employees of the University shall be entitled to initial basis pay of that cadre however on the recommendation of the Selection Committee, the employer can sanction a higher start.

(h) Annual confidential report shall be obtained from each officer, teacher or employee of the university.

(i) If the dates of superannuation of a university officer/employee/teacher falls due on any date during the current month such employee shall retire on the last day of the respective month. The increment shall be allowed on the 1st day of concerned month.

(j) Unless otherwise provided in the Act or the Statutes, the appointment,

removal from the service or any other kind of punishment, including the authority to with hold increment of officers, teachers or employees of University shall rest with the appointing authority.

(k) The Vice-Chancellor, however, shall exercise the following powers in this regard:-

(i) Making such enquiries as he may consider necessary to ascertain facts and collect data involving, allegations of irregularities or misconduct on the part of any officers, teachers or employee of the University

(ii) Calling for the explanation of any officers, teacher or employee of the University

(iii) Initiating and conducting disciplinary proceedings against any officers teacher and employee.

(iv) Awarding minor punishment such as award of a character roll entry or stopping the annual increments for a period not exceeding three years.

(v) If the order of punishment is by the Vice-Chancellor, the person effected shall have the right to appeal to the Executive Council within three months from the date of issue of orders.

(vi) However, the Vice-Chancellor may suspend any employee of the University in continuation of or the during the pendency of enquiry against him where the allegation or charges are of serious nature.

4. The services of an officer, teacher or employee of the University can be terminated by the appointing authority only on the fallowing grounds:-

(i) Misconduct including disobedience of the orders of the concerned authority;

(ii) Commission of any act, Which in the opinion of the appointing authority involves moral turpitude.

(iii) Misappropriation of the funds or property of the University

(iv) Corruption

(v) Physical incapacity or unsoundness of mind

(vi) Abolition of the post

5. Every employee against whom disciplinary action is intended to be taken shall be given an opportunity of making a representation in writing to the authority of the University

6. When an employee, who was suspended, is Finally reinstated, he shall get full pay unless the authority concerned has ordered a deduction to be made for the suspension period as a punishment.

7. A suspended person shall not be entitled to any leave for the period of suspension.

8. An increment shall ordinarily be dawn as a matter of course provided that the concerned authority has not ordered to withhold the increment.

9. Where an efficiency bar has been prescribed in a time scale of pay, the increment next above the bar shall not be given without the specific sanction of the authority concerned.

10. The officer, teacher or employee shall devote his whole time to the service of the University and shall not engage in any trade or business or take active part in politics with out prior permission of the authority.

11. The employee during the period of service of the University can apply outside the University subject to the following conditions

(i) Staff member are not permitted to apply for a job outside the University directly such application shall be submitted to the Vice-Chancellor through proper channel for onward transmission

(ii) All such application should reach the office of the Vice-Chancellor well in time.

12. The record of service and activities of the employee of different categories shall be maintained in the Vice-Chancellors office in the manner prescribed by the Vice-Chancellor. Adverse remark entered in the service record or character roll shall be communicated to the employee in writing.

13. (i) Class lV employee can be promoted to the super class lV and class III posts based on seniority and suitability provided they fulfill the minimum requirement as per Government Regulations.

(ii) From junior clerk to senior clerk, from senior clerk to head clerk, from head clerk to head assistant, head assistant to assistant account officer or assistant registrar, the promotions will be made based on the seniority and suitability provided the individual process the requisite prescribed qualification for the post.

(iii) Lab Assistants can be promoted to the post of Senior Lab Assistant subject to the condition of creation of the post of senior lab assistant by the Government and to the lab technician based on the seniority and suitability provided the individuals possess the requisite and prescribed qualification for the post.

(iv) Promotions of other employees and officers of the university shall be done as per the provision of the Government Orders.

(v) Promotions of teachers shall be made as per the orders issued by University Grant Commission/Indian Council of Agriculture Research and State Government and approved by Executive Council.

CHAPTER-7

16.1 University shall have fallowing faculties –

(i) Veterinary Science & Animal Husbandry.

(ii) Any other faculty as may be approved by the executive council

REGULATIONS FOR HOLDING THE CONVOCATION OF THE VISHWAVIDYALAYA*

1. Ordinarily one or more Convocations for conferring degrees shall be held each year at any Campus of the University Head Quarters of the Vishwa Vidyalaya on such date and at such time as the Chancellor may appoint.
2. Not less than four week's notice shall be given by the Registrar of all

meetings of the Convocation by notification in the news papers.

3. The candidate desiring to take the degree in person shall apply to the Registrar on the prescribed form obtainable from the office of the Vishwa Vidyalaya. The applications must reach the Registrar ten days before the date fixed for the Convocation accompanied by a fee of Rs. 50/-
4. The Vishwa Vidyalaya will supply uttariya to the candidates receiving degrees in person on payment of Rs.25/-. This uttariya fee of Rs. 25/- will in no case be refunded or adjusted towards fee for obtaining degrees in absentia.
5. The candidates who do not present themselves in person at the Convocation will be treated as receiving degrees in absentia. Such candidates shall apply to the Registrar in the prescribed application form and the fee for obtaining the degree in absentia will be Rs.300/- for all such students.
6. Candidates must appear in the prescribed academic dress at the time of convocation.
7. A rehearsal shall be arranged a day before or on the day of Convocation as required at which candidates for Degree must be present. Candidates absentee from rehearsal will not be allowed to participate in Convocation.
8. The Registrar shall issue a notice to each recipient of a Degree intimating the convocation programme and the procedure to be observed.
9. The academic robe for the convocation shall be as follows:

(I) Black gown and black hood with appropriate uttariya for non-Ph.D.'s.

(II) Red gown with red hood with appropriate uttariya for Ph.D.'s .

Member of Procession: Maroon colour with golden embroidery in the uttariya of the chief guest, the Chancellor and the Vice-Chancellor; silver embroidery of others.

Faculties: Blue uttariya for Veterinary Faculty. Uttariya for graduates will have yellow ribbons, those of post-graduates will have saffron ribbons and those of Ph.D.'s will have red ribbons.

University seal will be printed or embroidered on both ends of the uttariya at about ½ metre above each end

"CONVOCATION PROCEDURE"

1. The Chancellor, the Chief Guest, Vice-Chancellor, and Members of the Executive council and Members of the Academic Council shall assemble in the place notified for the purpose at the appointed hour and shall walk in procession in prescribed academic robe in rows of two in the following order to the Convocation hall. The procession will be led by the Registrar.

REGISTRAR

MEMBERS OF ACADEMIC COUNCIL, HEADS OF DEPARTMENTS

DEANS OF FACULTIES

MEMBERS, EXECUTIVE COUNCIL

VICE-CHANCELLOR

A.D.C A.D.C

CHANCELLOR CHIEF GUEST

SECRETARY TO CHANCELLOR

2. The Chancellor, the Chief Guest, the Vice-Chancellor and the Registrar shall be seated in the front row on the dias and the Members of the Executive council and Academic Council will be seated in the next row. The recipients of degrees honoris causa will be seated in the front row by the sides of the dias.

3. On the procession entering the hall, the assembly shall rise and remain standing till members of the procession have taken their seats on the dias.

4. The proceedings of the Convocation will commence the singing of Bande-Matram to be followed by University song. Then the Chancellor will declare the Convocation open and in his absence, the Vice-Chancellor will do so. The Vice-Chancellor will say, Mr. Chancellor, I request you to declare the …… Convocation of U.P Pt. Deen Dayal Upadhaya Pashu Chikitsa Vigyan Vishwa Vidhyalaya Evem Anusandhan Sansthan open." The Chancellor will say, "I declare the…… Convocation of U.P Pt. Deen Dayal Upadhaya Pashu Chikitsa Vigyan Vishwa Vidhyalaya Evem Anusandhan Sansthan open."

5. The Vice-Chancellor shall read out his report.

6. After the report of the Vice-Chancellor is over there will the exhortations as mentioned below by him:

कुलपतिः मैं दीक्षा देता हूँ
सत्य बोलो,
कर्तव्य–पालन करो,
अध्ययनशील रहो।

स्नातकगणः मै प्रतिज्ञा करता हूँ।

कुलपति स्वस्थ बनो,
समृद्ध बनो,
उदार बनो।

स्नातकगणः मैं प्रतिज्ञा करता हूँ।

कुलपति देश को बलवान बनाओ,
देश को सुखी बनाओ,
देश को गौरवपूर्ण बनाओ।

स्नातकगणः मैं प्रतिज्ञा करता हूँ।

कुलपति पशुधन के विकास के लिए
नए–नए अनुसंधान करो,
नए ज्ञान का अध्ययन करो
अनुसंधान के परिणामों का प्रसार करो।

स्नातकगणः मैं प्रतिज्ञा करता हूँ।

कुलपति सत्य से विचलित न होना।
कर्तव्य से विचलित न होना।
उत्थान–कार्य से विचलित न होना।
कल्याण–कार्य से विचलित न होना।

स्नातकगणः मैं प्रतिज्ञा करता हूँ।

कुलपति तुम्हारा जीवन मंगलमय हो।

7. The Honorary Degrees, if any, shall then be presented.

8. This Registrar, will then request the Deans of the Faculties to present students for the award of degrees provided that degrees to Ph.D. scholars shall be awarded individually. The Deans shall present their students in the following order.

Ph.D

M.V.Sc.

B.V.Sc.& A.H.

All the presentees will stand when the Dean present them to the Chancellor/Vice-Chancellor for the degrees and will remain standing till they are admitted to the Degrees.

9. Deans will say:

"Mr. Chancellor/Vice-Chancellor, I present to you Shri……./……. Candidates who has/have been examined and found qualified for the degrees of…….to which I pay he/they may be admitted.

The Chancellor/Vice-Chancellor will say:

"By virtue of the powers vested in me as Chancellor/Vice-Chancellor of U.P Pt. Deen Dayal Upadhaya, Pashu Chikitsa Vigyan Vishwa Vidhyalaya Evem Anusandhan Sansthan, I admit you/one and all, to …… Degree and I charge you that ever in your life and activities you prove yourselves worthy of the same.

10. After the distribution of Degree is over, the Registrar shall call the recipients of merit Medals and prizes. They shall stand before the Chancellor/Vice-Chancellor who shall present the medals.

11. The Chancellor/Vice-Chancellor will introduce the Chief Guest and request him to deliver the Convocation address.

12. The Chief Guest will then deliver the Convocation address.

13. The Chancellor/Vice-Chancellor will then declare the convocation closed.

14. Singing of National Anthem.

15. The procession will leave the Convocation hall in the following order and the assembly will stand.

SECRETARY TO CHANCELLOR

A.D.C A.D.C.

CHANCELLOR CHIEF GUEST

VICE-CHANCELLOR

MEMBERS, EXECUTIVE COUNCIL

DEANS OF FACULTIES

MEMBERS OF ACADEMIC COUNCIL, HEAD OF DEPARTMENTS

REGISTRAR

*__Amendment__: Executive Council Meeting No. 13 (12.12.2008), Proposal No. 05

CHAPTER-8

Leave Rule

17. (1) the Statutes shall apply to all employee of the University except those government servants who are working in the university on deputation .

(a) **Right of leave:** leave can not be claimed as a matter of right, when the exigencies of service so demand leave of any description may be refused or the employee may be compulsorily recalled from leave by the sanctioning authority.

(b)**Earned leave:** Leaved shall be earned by period spend on duty.

(c) **Commencement and termination of leave:** leave ordinary begins from the date on which leave as such is actually availed of and ends on the day

proceding on which duty is resumed or if duties are relinquished or resumed in the afternoon the leave shall commerce or end respective on the following days. Sundays or other holidays or University vacation may be prefixed as well as suffixed to leave with the permission of granting authority.

(d) The powers of granting all kinds of leave except causal leave to officer of the University and teachers will rest with the Vice-Chancellor and in the case of other employees with the Department Heads. Subject to such general or specific instruction as may be given by the Vice Chancellor, the Dean/ Principles/Director/Departmental Heads may also sanction earned leaved up to 30 days to the employees up to the rank of Assistant Professors. Causal leave to the Dean /Principle Director and officers of the university will be sanctioned by the Vice-Chancellor and to other members, including teachers by the Dean/ Principal, Directors and Departmental Heads-concerned.

(e) Following kinds of leave shall be admissible:

1. Causal leave
2. Earned leave
3. Half-average pay leave
4. Extraordinary leave
5. Maternity leave
6. Medical leave
7. Study leave*

1. **Causal leave:** An employee of the university shall be eligible for 14 days causal leave in each calendar year. This leave cannot carried over to next year.

2. **Earned leave:** An employee of the University shall be entitled to earn leave on full pay as per the provision of Government Order or as amended from time to time provided. Further that when the total of earned leave accumulates to three hundred days, an employee shall cease to earn such leave.

3. **Half average pay**: all the employee of the University shall be entitled to leave on half average pay as per provision of Government Order or for Government regulation as amended from time to time.

4. **Extra ordinary leave:** In case of necessity and when no other leave is due, leave without pay may be granted subject to the conditions to be specified at the time of granting the leave.

5. **Maternity leave;** The female employee of the university shall be entitled to 90 days maternity leave at the time of delivery of child subject to revision by the State Government. This will be in addition to all other leave available.

6.(A) **Leave on a Medical Certificate for Permanent Employee :** A permanent employee of the University may be granted leave on medical certificate not exceeding 12 months in all during his entire service. The leave on medical certificate together with earned leave, if any, shall not exceed eight months at a time. Such leave shall be given on production of a certificate from such medical authority as the Vice-Chancellor may by general or special order, specify in this behalf and for a period not exceeding that recommended by such medical authority. Leave on medical certificate

will be admissible to permanent employee subject to the condition that no leave may be granted under this Statute unless the authority competent to sanction leave is satisfied that there exists a reasonable ground that the University employee will be fit to return on duty after the expiry of the leave applied.

(b) Leave on Medical Certificate for Temporary Employees: A temporary employee of the university may be granted leave on medical certificate not exceeding four months in all during his entire service provided that leave on medical certificate together with earned leave, if any shall not exceed eight months at a time. Such leave shall be granted on production of a certificate from such medical authority as the Vice-Chancellor may, by general or special order specify in this behalf and for a period not exceeding that recommended by such medical authority.

Leave on medical certificate will be admissible to temporary employee subject to the followings conditions-

1. The post from which the university employee proceeds on leave is likely to continue till his resumption of duty.
2. No leave may be granted under this Statute unless the authority competent to sanction leave is satisfied that there is a reasonable possibility that the University Employee will be fit return on the expiry of the leave applied for

7. Study Leave:

GUIDELINES FOR Ph.D STUDY LEAVE:

Eligibility for a teacher to avail study leave for pursuing higher studies

Study leave may be granted after a minimum of 3 years of continuous and satisfactory service as an Assistant Professor to pursue his/her Ph.D to enable the teacher to keep abreast with modern developments in the field of his/her work and thereby improve his/her competence and usefulness to the University and upgrade his/her carrier prospects. He/she may be granted leave with full pay and allowances, within the university or outside the university However, those candidates who want to avail study leave without pay, a minimum period of only two years of continuous service will be essential. However, clearance of probation period will be mandatory for sanction of study leave.

2. Duration of study leave.

Period of study leave shall be as under:-

PhD within the institution	3 semesters (18 months) for course work including comprehensive examination
PhD from outside the institution	Grant of study leave for 36 months

Note:

1. Those who pursue PhD studies within the university have to rejoin after comprehensive examination and continue their research work by registering not exceeding 09 credits per semester.
2. At the end of the said study leave period, those who have gone for PhD outside the university, if there is further need of leave for completion of Ph.D they may continue their Ph.D by taking leave to which they are eligible or leave without pay. The maximum period allowed will be 5 years. If the incumbent fails to complete PhD within 5 years time, he/she has to rejoin the duty and pay the entire salary which he/she received during the leave period.
3. No teacher shall be entitled to study leave as a matter of right. Study leave will be sanctioned keeping in view the teaching, research and extension responsibilities of the concerned department and the implications of sanction of study leave in the light of availability of adequate and appropriate personnel to meet the departmental needs. It shall be restricted to one staff per department or miaximum of 25 % of the teaching staff strength of the department at a time and the next incumbent from the department will be allowed to avail the study leave only after the previous one joins back his/her duties or likely to join back within 3-6 months.
4. No employee shall claim any change in his/her status, seniority, scale of pay or any other condition of service in lieu of his/her having acquired higher qualifications. This, however, will not apply to such benefits which would have accrued to the teacher, had he/she not been undergoing postgraduate training.
5. (a) The incumbent granted study leave as above shall be required to execute a bond before proceeding on study leave to serve the university on return after completion of Ph.D course for a period of double the study leave plus one year. However the candidate availing the study leave without pay will have to execute a bond to serve the university for a minimum period of one years plus study leave period without pay.

   (b)Those teachers, who are registered in the university for pursuing Ph.D degree, will not be allowed to guide PG students during their course of study.

   (c) In case the incumbent fails to serve the university for the period as required in the bond or does not rejoin the university after completion of study leave, he/she has to pay the salary and allowances for the entire period or for the left over period for completion of the bond, as the case may be.

6. In addition to executing a bond as aforesaid, the teacher shall have to provide two sureties or a fidelity bond of an insurance company or a guarantee by a scheduled bank. The sureties furnished should be acceptable to the university. Where the two sureties are provided by the regular employees of the university; the university may waive the additional requirement of fidelity bond of an insurance company or a guarantee by the scheduled bank. The surety clause shall form the part of study leave bond and the persons who have given surety shall be liable to pay to the university an amount recoverable from the teacher concerned on his/her failure to fulfill the obligations of the bond.

7. (a) Normal annual increments, arrears and other emoluments will continue to be given for entire period of study leave of the incumbent, as would have accrued to the teacher, had he/she not been on study leave further, those who got admission with fellowship into Ph.D through national competition such as ICAR, CSIR, DBT etc, shall also be paid full salary in addition to the amount of fellowship in case they have applied for fellowship through the university.

(b) No In-service teacher shall be entitled to any other allowance such as travelling allowance or monthly allowance etc.

8. Application for the grant of study leave shall be made by the teacher concerned through proper channel to the Registrar, furnishing the datails in his/her application at least 3 months before the date on which he/she intends to avail such leave

9. Study leave period shall be counted as service for pension/contributory provident fund, provided the teacher joins the university on the expiry of his/her study leave period. However the study leave period will be excluded for promotion/CAS or direct selection.

10. Study leave granted to a teacher shall be deemed to be cancelled in case it is not availed in current academic session provided that where study leave granted has been so cancelled, the teacher may again apply for such leave after a gap of one year.

11. The teacher should submit to the Dean, faculty, six monthly reports of progress in his/her studies from his/her supervisor or the head of the institution. This report shall reach the Dean within one month of the expiry of every six months of the study leave. If the report does not reach the Dean within the stipulated time period, the payment of salary may be deferred till the receipt of such report. In case such report is unsatisfactory, the study leave may be cancelled and the incumbent shall then have to resume duties immediately and deposit the actual amount drawn towards salary including allowance for the period spent on study leave. No

application for study leave shall be entertained from such an incumbent during the rest of his/her service period.

12. Study leave shall be granted by the Vice Chancellor on the recommendations of Head of the department and Dean of concerned faculty.

13. No teacher who has been granted study leave shall be permitted to alter substantially the course of study without approval of the Vice Chancellor.

14. To avail the study leave, a teacher must have a minimum of 10 years of his /her service remaining after the expiry of his/her proposed study leave

Guidelines for Study leave for Post - Doctoral Programme

1. A teacher desirous of pursuing Post-Doctoral study in India or abroad may also be provided opportunity of study leave for maximum period of two years with full pay and allowances.
2. The study leave for Post-Doctoral programme may be allowed only after five years of regular service and the candidate should not have any adverse entry in his/her C.R.
3. Such teachers will have to furnish a bond for a period double the duration of study leave plus one year.
4. Those teachers, who have already availed study leave for Ph.D., may also be considered for grant of Post-Doctoral study leave but only after minimum cooling period of 5 years or completion of the bond period plus 2 years and in no case, the period of their Post-Doctoral study leave will exceed one year.
5. Other rules as mentioned for study leave for Ph.D. will be applicable for Post-Doctoral study leave as well.

Amendment: Executive Council Meeting No. 19 (07.10.2011), Proposal No. 03

CHAPTER-9
DEPUTATION

Deputation

18(1) Teacher and employee of the University can be allowed deputation for service outside the University for a period not a period not exceeding a maximum period of 5 years these employee will be entitled for pension contribution and leave salary as per contribution from the employee.

(2) Deputation is allowed after obtaining permission from the appointing authority.

(3) Employee and teacher from other institution of Government with due permission from their parents Department/ Institution will also be entitled for the above provisions of pension contribution to there parents Institution or Department.

(4) The Executive Council may, in special cases, decide to send any of its

academic staff for special study or research aboard or to any places in India on such terms and conditions as it considers fit.

CHAPTER-10

AGE OF RETIREMENT

Age of retirement

*19. The age of superannuation for the teachers of the University shall be 62 years and the age of superannuation for the non teaching employees of the University shall be 60 years. This age of superannuation can be changed from time to time according to Government Orders.

i) Provided that if the date of superannuation of a teacher falls after June 30, the teacher shall continue in service till the end of academic session i.e. up to June 30 the teacher shall continue in service till the end of academic session 30, following and will be treated on re-employment from the date of superannuation till June 30, following.

ii). Provided further that if the date of superannuation of an officer or employee falls due on any date during the month except the last date of the month, then employee shall retire on the last date of the respective month.

iii). Notwithstanding anything, the appointing authority may, at any time by notice to any employee (whether permanent or temporary) without assigning any reason require him to retire after he attains the age of 50 years or such employee may by notice on the appointing authority seek voluntary retirement at any time after attaining the age of 45 year or after he has completed 20 years of service whichever is earlier as per provision contained in the Financial Hand Book or amended from time to time.

*अधिसूचना 23 मई 2006 पशुधन अनुभाग –2 संख्या 2000सैतीस–2–2006–3(11)2004 दिनांक 17 मई 2006

Chapter -11

General provident fund/University provident fund

20. 1 In these statutes-

a). "Salary" means monthly salary and includes all fixed monthly allowances as from time to time defined by the State Government for this purpose.

b)."Servant" means every whole time officer or employee of the University other than one who have been sent to the University by Government on Deputation or who being on leave from a Government post is appointed substantively by the University against a permanent post or a temporary post either in the university itself or in any schemes running under University.

c). "Subscriber" means a servant on whose behalf a deposit in the University Provident Fund/General Provident Fund is made under these statutes.

d). "Saving bank" means the Post Office or any Nationalized Bank where

there is saving account.

e). "Interest" means the interest which is paid on a deposit in the post office savings bank or any Nationalized savings bank, as may be determined from time to time for deposit in Post Office or Nationalized Bank Savings Bank.

f) "Dependent" means any of the fallowing relations of a deceased who is nominated by the subscriber to the provident fund viz wife husband parents, child, minor brother, unmarried sisters and deceased son widow and child.

2. Every Officer/ Teacher/ Employee/ Subscriber of the University shall subscribe to the University Provident Fund/General Provident Fund at the rate of 10 per cent of his salary for which an account will be opened by the University for University Provident Fund account and for General Provident Fund and the amount will be deposited in the General Provident Fund account in the treasury. However, the subscriber is allowed to contribute to the extent of 20% (per cent) of his salary; but the rates of contribution in University Provident Fund by the University will remain as prescribed. The deduction shall be made by the University upon every salary bill presented. In the calculation this deduction, fraction of a rupee shall be omitted. Subscription by the subscriber, when on leave or drawing less than full pay, will be optional. The amount so deducted together with the contribution by the university under clause 3 below will be deposited in the Treasury/Saving bank. The payments in respect of the monthly deduction and contribution shall, so far as possible be made into the Treasury/Saving bank within two days of the receipt of the money in order that interest may accrue. The following procedure will be adopted in this regards :-

The Post Office/Nationalized bank will open individual accounts for all the subscribers to the University Provident Fund the University will arrange that all sums to be credited to these accounts shall be sent to the Treasury/Saving Bank accounts/Post office well in time. A list in the From No. 1 appended to these Statutes showing the detail of the amount to be credited. The General Provident Fund account of each officer/teacher/employee of the University shall be at the University & shall be at the university & shall be deposit in the treasury at Mathura.

3. The Finance Officer shall maintain the details of the Provident Fund account including deduction and the interest according to Government provisions.

4. Withdrawal from the Provident Account will be permitted when a subscriber's service in the University comes to an end his retirement, resignation, death or otherwise. Provided that no servant, whose services have been dispensed with on which in the opinion of the Executive Council is gross misconduct, shall be entitled to receive the amount of the contribution made by the University on his behalf and the interest thereon any contribution and interest hereon with held under statue shall belong to the University and shall be credited

to the University account employee shall be entitled to received all the University contribution along with the interest incurred thereon only when he/she has served the University for minimum period of 36 months and he must have received the permission to resign from the post.

5. In the case of severe illness of a subscriber or his dependent, purchase of land, construction of house or the repair of the old house, education of the children, or any other obligatory expenses commensurate to the subscriber's status which, by customary usage he/shall have to incur in connection with the marriages, funerals and other ceremonies of person actually dependent on him, the Vice-Chancellor may permit a subscriber a temporary withdrawal from the amount subscribed by him/her and the interest thereon, such an account as the Vice-Chancellor may deem fit, provident that the sum advanced shall not exceed six months salary of the subscriber, or fifty per cent of the sum subscribed by the subscriber with the interest accumulated thereon which ever is less as per the Government Order issue by the Government from time to time. The Vice-Chancellor may, however, in exceptional cases sanction the amount of loan over and above the limit, provided that the sum so advanced shall not exceed seventy five per cent of the sums subscribed by the subscriber. Provision for the taking advance (refundable or nonrefundable) from University Provident Fund/General Provident Fund account shall be regulated in such a manner as it may be prescribed by the Government of Uttar Pradesh for this purpose.

Note: the amount advanced under this Statue shall be such as is divisible in to thirty-six equal amounts in whole rupees.

6. The amount advance under clause 5 shall be refunded to the fund in the thirty six monthly installments. A subscriber may, however at his option may make the payment in less than 36 installments or may repay two or more installments commencing from the first pay of the full months salary after the advance is granted. The installment will be paid by compulsory deduction from salary and will be in addition to the usual subscription.

7. Final withdrawals from the Provident Fund shall also be permitted for the purpose of construction or purchase of a house by the subscriber, marriage of subscriber's son or daughter, higher education outside or inside India of the children etc. of the subscriber on the same term and conditions as are admissible to the employee of the State Govt. Under rules framed by the State Govt. in this behalf from time to time.

8. (1) Each subscriber must file in the Office of the Finance Officer of the University a declaration in the from ll appended to these statues showing how he whishes (nomination) the amount of his accumulation in the fund to be distributed in the event of his death or become insane

Provident that, if subscriber has got dependents, he shall not be permitted to nominate any outsider.

(2) The subscriber may, from time to time, change his nominees by a written application duly witnessed to the Finance Officer of the University. A register of such nominees shall be kept in the University office.

9. Any sum, standing to the credit of any subscribers Government Provident Fun/University Provident Fund Account at the time of his retirement or death and payable to self or any dependent of the subscriber or to any such persons as may be authorized by law to receive payment on his /her behalf, shall, subject to any deductions be authorized by the Statutes vest in the dependent and shall be free from any debt or other liability incurred by the deceased or incurred by the dependent before the death of the subscriber.

By Order,
LOV VERMA
Pramukh Sachiv.

*CHAPTER 12

Travel Allowance

1. Travel allowance/ Daily allowance will be paid to the Officers/ Teachers/ Employees as Government Order issued by Government of Uttar Pradesh from time to time.
2. Travel allowance/ Daily allowance will be permissible/ paid to the Members of different committees, all the authorities, members of Executive Council for attending meetings of University as per Government Order.
3. Akaryalayi members will get travel allowance on rate similar to the rate which he use for personal work.
4. In the interest of University work Vice-chancellor can allow any Employee/ Teacher/ Officer to travel by Air, Air Conditioner Coach or personal vehicle/ taxi.

***Amendment:** Executive Council Meeting No. 07 (20.12.2005), Proposal No. 16

Form –I

Month of ……..

Account number as in the pass book	Name of subscriber	His subscription	Contribution by the university	Amount of advance refunded	Total
1	2	3	4	5	6

Total

Dated:

Uttar Pradesh Pandit Deen Dayal Upadhyay
Pashu Chikitsa Vigyan Vishwavidylaya
Evam Go- Anusandhan Sansthan, Mathura

From –II

For ……..subscribed

Form of declaration

I hereby declare that in the event of my death or on my becoming instance, the amount of my credit in the Provident Fund shall be distributed among the persons mentioned below in the manner shown against their names:

Name and Address of the nominee or nominees	Relationship with the subscriber	Whether major or minor (if minor state date of birth	amount of share of deposit
1	2	3	4

Date

Signature and Designation of subscriber

Two witnesses to the signature of the subscriber

1. Name: ……..
2. Occupation ……..
3. Address ……

1. Name: ……..
2. Occupation ……..
3. Address ……